RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

विश्व कप से पहले जापान को बड़ा झटका कप्तान वातारू एंडो ने चोट के कारण लिया संन्यास

VOL: 03 | ISSUE 141 | SUNDAY DATE 14-06-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

हमारा लक्ष्य शिक्षा और खेल को एक साथ आगे बढ़ाना है: धर्मेंद्र प्रधान

भोपाल, यूटर्न/ 13 जून । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को भोपाल दौरे के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की। सीएम ने अपने सरकारी घर पर प्रधान का स्वागत गुलदस्ता और पारंपरिक अंगवस्त्र देकर किया। दोनों नेताओं के बीच मुलाकात के दौरान शिक्षा, युवा विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे पहले, प्रधान ने केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार के 12 साल पूरे होने पर हो रहे कार्यक्रम के तहत सूरज नगर के नागेश्वर महादेव मंदिर में सफाई अभियान में हिस्सा लिया। प्रधान ने इस पहल को जनता की भागीदारी की भावना की झलक बताते हुए नागरिकों से सफाई को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाने और एक साफ, स्वस्थ और विकसित भारत के विजन में योगदान देने की अपील की।

दिल्ली में 500 यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वालों पर बढ़ेगा बिल का बोझ

नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून । दिल्ली के बिजली उपभोक्ताओं को जून महीने में बड़ा झटका लग सकता है। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने राजधानी की तीनों बिजली वितरण कंपनियों, बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल), बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) को अप्रैल 2026 के लिए पावर परचेज एडजस्टमेंट चार्ज (पीपीएसी) वसूलने की अनुमति दे दी है। इसके चलते अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं के बिलों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।
पेज-06

गृह युद्ध की योजना बना रहे हैं राहुल गांधी: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर देश में कई सालों से गृह युद्ध की योजना बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक पौधरोपण कार्यक्रम के बाद ये बात कही। केंद्रीय मंत्री सिंह ने राहुल गांधी पर निशाना साधकर कहा कि जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों का प्यार जीतने का शतक बना रहे हैं, वहीं राहुल गांधी हारने का शतक बना रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस की चुनावी रणनीति पर सवाल उठाया, यह कहते हुए कि जब कांग्रेस तेलंगाना या केरल जैसे राज्य जीतती है, तब उस जीत को अपनी जीत बताती है, लेकिन हारने पर वोट चोरी का आरोप लगाती है।

नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे राहुल गांधी, 17 जून से होगी शुरूआत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नीट-यूजी और कई अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले को लेकर छात्र सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरूआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी। इसके बाद प्रयागराज, पटना और दिल्ली में भी वह इन सम्मेलनों के जरिए छात्रों से संवाद करेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इन छात्र सम्मेलनों के जरिए से नीट के विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करने, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जाएगी।

फ्रांस, स्लोवाकिया यात्राओं से यूरोप तथा जी-7 समूह के साथ भारत के संबंध और मजबूत होंगे: मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून ।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वास जताया है कि फ्रांस और स्लोवाकिया की उनकी यात्राओं से यूरोप और जी-7 समूह के साथ भारत के संबंध और मजबूत होंगे। श्री मोदी ने फ्रांस और स्लोवाकिया की छह दिन की यात्रा पर रवाना होने से पहले शनिवार को एक वक्तव्य में कहा कि उनकी ये यात्राएं यूरोपीय महाद्वीप और उससे आगे भी भारत की साझेदारियों का दायरा बढ़ाने की अटूट प्रतिबद्धता को भी बताती हैं।

श्री मोदी ने कहा, 'फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और स्लोवाक प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के निमंत्रण पर मैं 13-18 जून तक फ्रांस और स्लोवाक गणराज्य की यात्रा करूंगा।' उन्होंने कहा, 'भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण में फ्रांस का एक खास स्थान है।

पीएम का यूरोप दौरा: बोले, 'फ्रांस-स्लोवाकिया से आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर करेंगे चर्चा'

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस और स्लोवाकिया दौरे को भविष्योन्मुखी बताया है। रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने एक बयान में इस दौरे की अहमियत और तय कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फ्रांस गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम इमैनुएल मैक्रों और स्लोवाक गणराज्य के प्रधानमंत्री महामहिम रॉबर्ट फीको के आमंत्रण पर वो 13-18 जून 2026 तक फ्रांस और स्लोवाकिया का दौरा कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी का वक्तव्य जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा, 'फ्रांस हमारे रणनीतिक दृष्टिकोण में एक विशेष स्थान रखता है। इस वर्ष की शुरूआत में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान हमारे संबंधों को 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा दिया गया था। मैं नीस (फ्रांसीसी शहर) में राष्ट्रपति मैक्रों से मुलाकात करूंगा, जहां हम फरवरी से अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और भविष्य की सहयोग योजनाओं को आगे बढ़ाएंगे। साथ ही, हम आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।' नीस में ही प्रधानमंत्री 14 जून 2026 को राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मिलकर 'भारत इनोवेट्स' का उद्घाटन करेंगे। यह आयोजन 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन' के तहत हो रहा है, जिसका उद्देश्य भारत के उभरते स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों से जोड़ना और देश के उच्च शिक्षा संस्थानों से निकलने वाले नवाचारों को बढ़ावा देना है।

भारतीय नवाचार को सिलिकॉन वैली में मिला बड़ा सम्मान, स्टार्टअप्स और एआई ने बढ़ाई वैश्विक पहचान

भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को पिछले पांच वर्षों में सिलिकॉन वैली में 'जबरदस्त सम्मान' मिला है। यह बदलाव स्टार्टअप्स की बढ़ती संख्या, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित उद्यमों और वैश्विक निवेश में तेजी के कारण संभव हुआ है। उद्यमी और निवेशक शशि त्रिपाठी ने फ्रांस में आयोजित होने वाले 'भारत इनोवेट्स 2026' शिखर सम्मेलन से पहले न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में यह जानकारी दी। त्रिपाठी ने कहा, 'भारत ने एआई, प्रौद्योगिकी और समग्र नवाचार के क्षेत्र में कई शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। नवाचार के मामले में भारत के प्रति सम्मान काफी बढ़ा है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा उद्घाटन किए जाने वाले 'भारत इनोवेट्स 2026' सम्मेलन में प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए 100 भारतीय स्टार्टअप्स अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे।

भविष्य के युद्ध तकनीक, गति और नवाचार से लड़े जायेंगे: राजनाथ सिंह

» **हैदराबाद, यूटर्न/ 13 जून ।**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को भारतीय वायु सेना के नये कमीशन प्राप्त अधिकारियों से उन्नत तकनीकों, नवाचार और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता से संचालित युद्ध के बदलते स्वरूप के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। हैदराबाद के पास वायु सेना अकादमी में 217वें कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड की समीक्षा करते हुए श्री सिंह ने स्नातक कैडेटों को अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने और अपने प्रतिष्ठित 'विंग्स' हासिल करने पर बधाई दी। परेड को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि स्नातक होने वाले इस बैच में 240 पायलट और ग्राउंड-ड्यूटी अधिकारी शामिल हैं। इनमें भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और वियतनाम के प्रशिक्षु भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अकादमी में विभिन्न शाखाओं की यह विविधता, सशस्त्र बलों के थल, वायु और जल सेना के जुड़ाव तथा एकीकृत अभियानों पर दिये जा रहे बढ़ते जोर को दर्शाती है। भारतीय वायु सेना की समृद्ध विरासत का जिक्र करते हुए श्री सिंह ने कहा कि इस बल ने 1947-48 के कश्मीर संघर्ष के दौरान एयरलिफ्ट अभियानों से लेकर 1971 के युद्ध तक, देश के हितों की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभायी है।

भारत अपनी आत्मा खो रहा है: शशि थरूर का आत्ममंथन

लेख लिखकर बढ़ते भेदभाव और विभाजनकारी माहौल पर जताया दुख

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून ।**

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने देश में बढ़ते भेदभाव और विभाजनकारी माहौल पर गहरा दुख जाहिर किया है। सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता थरूर ने लिखा कि जब किसी देश को धीरे-धीरे अपनी आत्मा खोते हुए महसूस किया जाता है, तब एक गहरा और टीस भरा दुख होता है। जो लोग भारत को अनेकता में एकता के शानदार समावेशी प्रयोग के तौर पर देखते आए हैं, उन्हें हाल के वर्षों में निराशा मिली है। उनका मानना है कि कभी-कभी कोई एक घटना रोजमर्रा की राजनीति के शोर-शराबे को चीरकर हमारे नैतिक पतन की गहराई को उजागर करती है।

ऐसी ही एक घटना हाल ही में सामने आई, जिसकी हेडलाइन थी कि होटल से बाहर निकाला गया अल्पसंख्यक बीजेपी नेता। यह घटना सज्जाद यूसुफ शाह से जुड़ी है, जो भाजपा के जम्मू-कश्मीर मीडिया सह-प्रभारी हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में यात्रा के दौरान बीजेपी नेता शाह को होटल से यह कहकर जाने को कहा गया कि उनकी मुस्लिम और कश्मीरी पहचान समस्याग्रस्त है। कांग्रेस नेता थरूर ने सवाल किया कि भारत के सबसे प्रगतिशील राज्यों में शामिल महाराष्ट्र में ऐसा कैसे हो सकता है? शशि थरूर ने गंभीर आत्ममंथन का आह्वान कर कहा, हमें आइने में देखना चाहिए और खुद से एक सीधा, दुखद सवाल पूछना चाहिए, हम किस हाल में पहुंच गए हैं?

पीएम मोदी की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हमेशा हिमाचल को भरपूर आर्थिक सहायता और समर्थन दिया: जेपी नड्डा

» **शिमला, यूटर्न/ 13 जून ।**

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को शिमला में भाजपा सरकार के 12 साल पूर्ण होने पर मीडिया से संवाद किया। इस दौरान जहां उन्होंने केंद्र की ओर से हिमाचल प्रदेश को मिले फंड और सहयोग के बारे में विस्तार से बात की तो वहीं, प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सिर्फ झूठ बोलती है कि उन्हें केंद्र से सहयोग नहीं मिला है। हकीकत यह है कि पीएम मोदी की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हमेशा हिमाचल को भरपूर आर्थिक सहायता और समर्थन दिया है। जेपी नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में भी हिमाचल को केंद्र सरकार से बड़ा सहयोग मिला है। 1,400 करोड़ रुपए की लागत से एम्स बिलासपुर पूरी तरह ऑपरेशनल है और प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का केंद्र बन रहा है। चंबा, नाहन और हमीरपुर मेडिकल कॉलेजों के लिए 547 करोड़ रुपए की सहायता दी गई है। इसके अलावा पीजीआई सैटेलाइट सेंटर और चमियाणा सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक जैसी परियोजनाओं से हिमाचल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है। माचल में हाइड्रो, शिक्षा, शहरी विकास, रेलवे और ऊर्जा के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति दी है। रेणुका डैम को राष्ट्रीय महत्व का प्रोजेक्ट घोषित कर 7,000 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं, वहीं लुहरी स्टेज-1 हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए 1,800 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने गिनाईं उपलब्धियां

नोएडा, यूटर्न/ 13 जून । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नोएडा के सेक्टर-27 स्थित क्लब हाउस में एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर,

भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सांसद डॉ. महेश शर्मा द्वारा प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुई।

इसके बाद आयोजित संवाद कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ने केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों का विस्तार से उल्लेख करते हुए इसे 'विश्वास, विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष' बताया।

वैश्विक ईंधन कीमतों में उछाल के बावजूद दिल्लीवासियों को राहत दे रही सरकार : सूद

» नयी दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून।

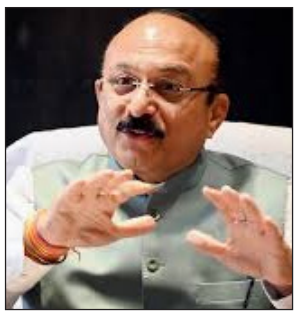

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच दिल्ली सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने का दावा किया है। श्री सूद ने आज कहा कि बिजली खरीद लागत में भारी वृद्धि के बावजूद सरकार ने उपभोक्ताओं पर इसका प्रभाव न्यूनतम रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पावर परचेज एडजस्टमेंट कॉस्ट (पीपीएसी) कोई नई व्यवस्था नहीं है, बल्कि बिजली कानूनों के तहत पहले से लागू एक नियामक प्रावधान है। इसके माध्यम से बिजली वितरण कंपनियां ईंधन और बिजली खरीद की बढ़ी हुई लागत का समायोजन करती हैं। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण पिछले एक महीने में बिजली खरीद की लागत में करीब 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसके बावजूद दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने औसतन केवल 2.4 प्रतिशत पीपीएसी वृद्धि की अनुमति दी है ताकि उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ सीमित रखा जा सके।

श्री सूद के अनुसार पहले पीपीएसी की सीमा 31 मार्च तक 14.5 प्रतिशत थी, जिसे अब बढ़ाकर लगभग 17.5 से 17.9 प्रतिशत किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कदम बढ़ती वैश्विक ऊर्जा कीमतों के पूरे प्रभाव से उपभोक्ताओं को बचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पीपीएसी देशभर में लागू एक सामान्य नियामक व्यवस्था है और इसका निर्धारण बिजली कानूनों के अनुसार किया जाता है। उन्होंने कहा कि डीईआरसी का ताजा आदेश बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिरता और उपभोक्ताओं के हितों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार की बिजली सब्सिडी का लाभ प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं पर इस बढ़ोतरी का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ऐसे उपभोक्ताओं के बिजली बिल में किसी प्रकार का अतिरिक्त बोझ नहीं आएगा। श्री सूद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस विषय पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि सरकार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि बढ़ती ऊर्जा लागत का अनुचित भार जनता पर न पड़े।

रोड रेज मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रोड रेज का एक सनसनीखेज घटना में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला 8 जून को रोहिणी सेक्टर- 18/19 मेट्रो स्टेशन के पास का है, जहां एक रैपिडो राइडर पर दो बाइक सवार युवकों ने हेलमेट से हमला कर दिया था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच की जिम्मेदारी समयपुर बादली थाना पुलिस को सौंपी गई। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को ट्रेस किया गया, जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान गौरव कुमार और बादल के रूप में हुई। वीडियो वायरल होने के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सूचनाओं के आधार पर उनकी तलाश कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी किया गया है। वहीं, शिकायतकर्ता ने भी दोनों आरोपियों की पहचान कर ली है। पुलिस का कहना है कि रोड रेज जैसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी और आम नागरिकों की सुरक्षा दिल्ली पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इससे पहले, मई में महाराष्ट्र के पुणे जिले के वाघोली इलाके में रोड रेज का एक गंभीर मामला सामने आया था, जहां कार सवार लोगों ने कथित तौर पर बाइक पर जा रहे एक दंपति और उनके तीन साल के बच्चे के साथ मारपीट की थी। पुलिस ने इस मामले में दो महिलाओं सहित चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

नोएडा मुआवजा घोटाले में एसआईटी ने तीन पूर्व लॉ ऑफिसर समेत कई पर दर्ज कराई 6 एफआईआर

नोएडा, यूटर्न/ 13 जून। बहुचर्चित नोएडा मुआवजा घोटाले में अब जांच एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो गई है।

करीब 100 करोड़ रुपये से अधिक के कथित मुआवजा घोटाले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने नोएडा के थाना फेज-1 में छह अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराते हुए नोएडा प्राधिकरण के तीन पूर्व लॉ ऑफिसरों और उनके सहयोगियों को आरोपी बनाया है। यह मामला वर्षों से चर्चा में रहा है और अब जांच पूरी होने के बाद कानूनी कार्रवाई का दौर शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021 में गेझा तिलपताबाद गांव में भूमि अधिग्रहण से जुड़े अतिरिक्त मुआवजे के वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए थे। शिकायतों के बाद मामला न्यायालय तक पहुंचा और बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों पर विशेष जांच दल का गठन किया गया। एसआई ने विस्तृत जांच के दौरान किसानों और लाभार्थियों के बयान दर्ज किए, दस्तावेजों की जांच की तथा वित्तीय लेनदेन की पड़ताल की। जांच में सामने आया कि नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन लॉ ऑफिसर राजेश कुमार, दिनेश कुमार सिंह और वीरेंद्र कुमार नागर ने कथित तौर पर कुछ बिचौलियों के साथ मिलकर मुआवजा वितरण प्रक्रिया में अनियमितताएं कीं। एसआईटी ने समाजवादी पार्टी के नेता विजेंद्र कुमार त्यागी, राजकुमार त्यागी और राजकुमार को भी इस मामले में आरोपी बनाया है। आरोप है कि अदालत के आदेश पर जारी अतिरिक्त मुआवजे की रकम में से एक संगठित सिंडिकेट ने लाभार्थियों से 10 प्रतिशत तक नकद कमीशन वसूला। इतना ही नहीं, लाभार्थियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते खुलवाकर करोड़ों रुपये की राशि का गबन किए जाने की बात भी जांच में सामने आई है। जांच एजेंसी का दावा है कि इस पूरे नेटवर्क ने मुआवजा प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए सरकारी धन को निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया। सूत्रों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान जांच को लेकर गंभीर टिप्पणियां की गई थीं, जिसके बाद एसआईटी को विस्तृत जांच के निर्देश मिले थे। अब जांच पूरी होने पर दर्ज एफआईआर के आधार पर आरोपियों से पूछताछ, गिरफ्तारी और आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा के गर्ल्स हॉस्टल में युवती ने लगाई छलांग, अस्पताल में मौत, पारिवारिक विवाद की आशंका

» ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 13 जून।

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में स्थित एक गर्ल्स हॉस्टल से शनिवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक युवती ने हॉस्टल की इमारत से छलांग लगा दी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान पारुल (19 वर्ष) पत्नी सौरभ चौधरी निवासी ग्राम बाफर, थाना जानी, जनपद मेरठ के रूप में हुई है। पारुल नॉलेज पार्क क्षेत्र स्थित एक गर्ल्स हॉस्टल में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत थी। शनिवार को पुलिस को सूचना मिली कि हॉस्टल की बिल्डिंग से एक युवती ने छलांग लगा दी है। सूचना मिलते ही थाना नॉलेज पार्क पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल युवती को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हालांकि, चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद युवती की जान नहीं बचाई जा सकी और उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में यह मामला पति-पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया युवती द्वारा आत्महत्या किए जाने की आशंका है। हालांकि, मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों और साक्ष्यों का परीक्षण किया जाएगा। मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दिल्ली पुलिस ने मर्डर केस में फरार चल रहे आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून। दिल्ली के शाहबाद डेयरी पुलिस स्टेशन की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए हत्या के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी होने के बावजूद फरार चल रहा था। आरोपी दिल्ली के शाहबाद डेयरी पुलिस स्टेशन के एक मर्डर केस में वांछित था, जिसे लेकर न्यायालय द्वारा आरोपी के खिलाफ पहले ही गैर जमानती वारंट जारी किए जा चुके थे। हालांकि, अपराधी गिरफ्तारी से बच रहा था और पकड़े जाने से बचने के लिए लगातार अपनी जगह बदल रहा था। इस मामले में क्राइम ब्रांच की पुरम टीम ने खास जानकारी जुटाई और आरोपी पर लगातार मैनुअल व तकनीकी निगरानी रखी। लगातार निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को रोहिणी से सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया। क्राइम ब्रांच की पुरम टीम ने एक खतरनाक वांछित अपराधी अंशु उर्फ आकाश (21) को गिरफ्तार कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। वह दिल्ली के शाहबाद डेयरी पुलिस स्टेशन के मर्डर केस में वांछित था और कोर्ट ने उसके खिलाफ एनबीडब्लू जारी किया था। हत्या के आरोप में फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक समर्पित टीम बनाई गई। इस टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राकेश शर्मा ने किया और इसमें एसआई अशोक कुमार, एसआई सौरभ, एसआई नरेंद्र, एसआई यतेंद्र, एएसआई विकास, हेड कांस्टेबल संदीप, हेड कांस्टेबल दिनेश, हेड कांस्टेबल संजय, हेड कांस्टेबल इरशाद, हेड कांस्टेबलरविंदर, हेड कांस्टेबल भाग सिंह, हेड कांस्टेबल सुखबीर, हेड कांस्टेबल राहुल और हेड कांस्टेबल सत्यवान शामिल थे।

शरजील इमाम और उमर खालिद की नई जमानत याचिकाओं पर कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को 2020 के दंगों से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में शरजील इमाम और उमर खालिद की ओर से दायर नई जमानत याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट ने जमानत याचिकाओं पर नोटिस जारी किया और दिल्ली पुलिस को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई को होगी। दोनों आरोपियों ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और अन्य दंडात्मक प्रावधानों के तहत दर्ज मामले में नियमित जमानत याचिकाएं दायर की हैं। अपनी याचिका में शरजील इमाम ने कहा कि जनवरी में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी जमानत अर्जी खारिज किए जाने के छह महीने से ज्यादा समय बीतने के बावजूद, मुकदमे में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। अर्जी में कहा गया है कि आरोप तय करने के सवाल पर बहस अभी पूरी नहीं हुई है और इमाम इस मामले में लगभग छह साल से जेल में बंद हैं। खालिद ने भी ट्रायल कोर्ट में नियमित जमानत की मांग की है। दोनों अर्जियों पर एक साथ सुनवाई हुई, जिसके बाद कोर्ट ने दिल्ली पुलिस का पक्ष जानना चाहा। इस साल की शुरूआत में सुप्रीम कोर्ट ने खालिद और इमाम की जमानत अर्जियां खारिज कर दी थीं।

घरों में स्मोक डिटेक्टर और स्प्रिंकलर अनिवार्य करने का प्रस्ताव, फायर सर्विस ने सरकार को भेजी सिफारिश

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून।

दिल्ली फायर सर्विस के चीफ फायर ऑफिसर एके मलिक ने बताया कि विभाग ने सरकार को घरों में स्मोक डिटेक्टर और स्प्रिंकलर सिस्टम को अनिवार्य करने का प्रस्ताव भेज दिया है। इसके अलावा, आपातकालीन स्थितियों में तेजी से प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए जीपीएस-इनेबल्ड फायर डिपार्टमेंट ऐप विकसित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। दक्षिणी दिल्ली के तुगलकाबाद क्षेत्र में एक बहुमंजिला इमारत में लगी भीषण आग ने तीन लोगों की जान ले ली, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद दिल्ली फायर सर्विस ने आग से सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। दिल्ली फायर सर्विस के चीफ फायर ऑफिसर एके मलिक ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि विभाग ने घरों में स्मोक डिटेक्टर और स्प्रिंकलर सिस्टम को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव तैयार किया और फिर सरकार को भेज दिया। एके मलिक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से

बातचीत करते हुए कहा कि 11-12 जून की रात करीब 2:25 बजे फायर कंट्रोल रूम को तुगलकाबाद स्थित एक इमारत में आग लगने की सूचना मिली। एक साथ कई कॉल प्राप्त होने के बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत आठ फायर टेंडर और एक असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि यह ग्राउंड फ्लोर सहित पांच मंजिला इमारत थी, जिसमें आग लगने की शुरूआत भूतल से हुई थी। आग और घने धुएं के कारण ऊपरी मंजिलों पर मौजूद कई लोग इमारत में फंस गए थे।

फायर सर्विस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत एवं बचाव अभियान चलाया और आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं और उनका इलाज जारी है। अधिकारियों के अनुसार, समय पर बचाव अभियान नहीं चलाया जाता तो हताहतों की संख्या और अधिक हो सकती थी।

एके मलिक ने कहा कि उत्तर भारत में गर्मियों के दौरान अत्यधिक तापमान और कम नमी के कारण आग लगने की घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। लोग लंबे समय तक एयर कंडीशनर और अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग करते हैं, लेकिन उनके रखरखाव पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते। इससे बिजली का लोड बढ़ जाता है और कई बार घरेलू वायरिंग तथा सर्किट सुरक्षा प्रणाली प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पाती। परिणामस्वरूप, ओवरलोडिंग और शॉर्ट सर्किट जैसी समस्याएं पैदा होती हैं, जो आग लगने का कारण बन सकती हैं।

अरब सागर और श्री सोमनाथ मंदिर के पहली बार दर्शन कर गदगद हुए प्रदेश के 1100 श्रद्धालु

» प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी

थानेसर, यूटर्न/ 13 जून । हरियाणा प्रदेश के 23 जिलों के 1100 श्रद्धालुओं ने पहली बार समुद्र (अरब सागर) और श्री सोमनाथ मंदिर के पहली बार दर्शन किए। इन दर्शनों से सभी श्रद्धालुओं के चेहरों पर खुशी और मन में भक्ति भाव को सहजता से देखा जा सकता था। इन श्रद्धालुओं ने श्री सोमनाथ मंदिर में भगवान शिव की आराधना कर जलाभिषेक करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सुखमय जीवन और निरंतर आगे बढ़ने की प्रार्थना भी की है। इस तीर्थ यात्रा को ऐतिहासिक और यादगार

बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार हर प्रकार के प्रबंध उच्च स्तरीय थे ताकि किसी भी यात्री को रत्ती भर भी परेशानी ना हो। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 8 जून को कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन से श्री सोमनाथ यात्रा के लिए विशेष ट्रेन को रवाना किया था और एक एक श्रद्धालु के साथ अपने मन की भावना को साझा भी किया था। इस पांच दिवसीय यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने सबसे पहले श्री सोमनाथ मंदिर के आस पास के ऐतिहासिक, प्राचीन मंदिरों और तीर्थ श्री गीता मंदिर, श्री राम मंदिर, त्रिवेणी संगम, भालका तीर्थ, गौलोक धाम, आहिल्याबाई मंदिर और संमुद्र किनारे सूर्यास्त आरती का आनंद लिया तथा श्री सोमनाथ मंदिर में विशेष प्रबंधों के बीच 1100 यात्रियों ने जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की है। इन अधिकतर श्रद्धालुओं ने प्रदेश की तरक्की और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तरक्की और खुशहाली के लिए प्रार्थना भी की है।

इस पांच दिवसीय ऐतिहासिक और यादगार यात्रा के बाद गत देर रात्रि सोमनाथ धाम से श्रद्धालु अपने भीतर नई ऊर्जा, प्रेरणा व चेतना के साथ कुरुक्षेत्र लौटे हैं। तीर्थयात्राएं समाज को जोड़ने का महान माध्यम होती हैं। ऐसा ही माध्यम मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना बना रही है। ये यात्राएं हम सबको अपनी जड़ों, संस्कृति और संस्कारों से जोड़ती हैं। इस क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने भगवान सोमनाथ के ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन किए। अहम पहलू यह है कि इन धार्मिक स्थलों के दर्शन के साथ ही 5 दिवसीय मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा ऐतिहासिक एवं यादगार क्षणों के साथ संपन्न हुई।

एक पेड़ मां के नाम व हरित भारत निर्माण संकल्प के तहत पेड़ लगाए

निर्मल सिंह विर्क/ पानीपत, यूटर्न/ 13 जून । खंड कार्यालय मूनक में शनिवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत खंड कार्यालय, शमशान घाट व तालाब के चारों तरफ पौधारोपण किया। जिसमें खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी उम्मेद सिंह ने बताया कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए ताकि वातावरण स्वच्छ रहे । सरकार के द्वारा चलाई गई एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के निर्माण का हमें संकल्प लेना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ आवश्यक लगाना चाहिए। पर्यावरण स्वच्छ रहेगी तो हमारा स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा । सरपंच ओमप्रकाश ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व की सेवा ,सुशासन एवं जनकल्याण के 12 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में गांव में पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया। जिसमें 100 पेड़ फलदार व छायादार पौधारोपण किए। पेड़ों का हमारे जीवन में गहरा नाता है पेड़ हमें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन गैस देते हैं जो हमें सांस लेने में सहायता होती है। आज पर्यावरण को देखते हुए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए अगर आगे हमारे बच्चों का इनका ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। इस दौरान थाना प्रभारी राजेश कुमार, बाबा धोनी दास, अजय कुमार, नेत्रपाल राणा, जगबीर कुंडू, शक्ति पंच, भगता राम, जयकिशन दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

मोटर खराब होने पर विवाद, सिक्ख युवक की पगड़ी उतारकर मारपीट का आरोप

साहिबाबाद, यूटर्न/ 13 जून । लिंकरोड थानाक्षेत्र के रामपुरी इलाके में चंद्र नगर निवासी सिक्ख युवक से मारपीट के दौरान पगड़ी उतारने और बाल खींचने का मामले में पुलिस ने दुकानदार समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। बृहस्पतिवार देर रात गाजियाबाद से दिल्ली तक के गुरुद्वारा समिति से लोग थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। इस दौरान लोगों ने थाने पर हंगामा भी किया। विवाद सबमर्सिबल की मोटर बदलने को लेकर हुआ।

गृह मंत्री शाह का आश्वासन, मिजोरम के शरणार्थियों को राहत देगी केंद्र सरकार

» आइजोल, यूटर्न/ 13 जून ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा को आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार राज्य में रह रहे शरणार्थियों की राहत और सहायता के लिए 10 करोड़ रुपये मूल्य का चावल उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम नई दिल्ली में हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गृह मंत्री को बताया कि मिजोरम में वर्तमान में मणिपुर, बांग्लादेश और म्यांमार से आए करीब 40,000 शरणार्थी रह रहे हैं।

इसके जवाब में अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार शरणार्थियों के भोजन और राहत कार्यों के लिए मिजोरम सरकार को 10 करोड़ रुपये मूल्य का चावल उपलब्ध कराएगी।

आधिकारिक दौरे पर दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कर्तव्य भवन स्थित गृह मंत्री कार्यालय में अमित शाह से मुलाकात कर मिजोरम के विकास और जनकल्याण से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत मिजोरम को अन्य पूर्वोत्तर राज्यों की तरह सहायता नहीं मिल रही है, क्योंकि राज्य लंबे समय से उग्रवाद और कानून-व्यवस्था की समस्याओं से मुक्त और शांतिपूर्ण रहा है।

उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि मादक पदार्थों की तस्करी, सीमा पार अपराधों और बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए एसआरई योजना का लाभ मिजोरम को भी दिया जाए। गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेवाइन) योजना के तहत अधिक परियोजना प्रस्ताव भेजने की सलाह दी और इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने पड़ोसी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आए शरणार्थियों के कारण उत्पन्न मानवीय चुनौतियों का भी

उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सीमित संसाधनों के बावजूद शरणार्थियों को आश्रय, भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध करा रही है, लेकिन इसके लिए केंद्र सरकार से अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता है। गौरतलब है कि फरवरी 2021 में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद 30,000 से अधिक म्यांमार नागरिक मिजोरम में शरण ले चुके हैं।

इसके अलावा बांग्लादेश के चिटगांव हिल ट्रैक्ट्स क्षेत्र से आए करीब 2,365 शरणार्थी भी राज्य के चार जिलों में रह रहे हैं। मिजोरम ने मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच हुई हिंसा के बाद विस्थापित हुए हजारों आदिवासी लोगों को भी शरण दी है। सीमित संसाधनों के बावजूद राज्य सरकार स्थानीय समुदायों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से इन विस्थापितों को मानवीय सहायता प्रदान कर रही है।

सर्वखाप महापंचायत एवं चिंतन शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 13 जून । धर्मनगरी कुरुक्षेत्र स्थित अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला में आयोजित उत्तर भारत सर्वखाप महापंचायत एवं चिंतन शिविर के द्वितीय दिवस के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि खापों द्वारा उठाए जा रहे सभी सामाजिक मुद्दे अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि समाज से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए तथा उनके व्यावहारिक एवं स्थायी समाधान खोजे जाने चाहिए। उन्होंने सामाजिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों, युवा मार्गदर्शन और समाज सुधार के लिए ऐसे चिंतन शिविरों को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला के प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद एवं चौ. संजय देशवाल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। शिविर में सोलंकी खाप, पालम 360 खाप, दलाल खाप, चहल

खाप, हुड्डा खाप, ढुल खाप, देशवाल खाप एवं लाठर खाप सहित अनेक खापों के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रथम सत्र युवा प्रतिनिधियों को समर्पित रहा, जिसमें विक्रम कालीरमन, राजबीर सिंह गिल, अमित बांगर, जतिन पानू, अक्षय नरवाल, सुमित लाठर, जसविंदर जांगड़ा एवं मोहित देशवाल ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने खाप पंचायतों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, उन्हें सामाजिक नेतृत्व के अवसर प्रदान करने तथा सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर उनकी सकारात्मक भूमिका सुनिश्चित करने पर बल दिया। वक्ताओं का मत था कि युवाओं की ऊर्जा और नवीन सोच को खाप व्यवस्था से जोड़कर समाज को नई दिशा दी जा सकती है। द्वितीय सत्र समाज के प्रबुद्ध एवं अनुभवी व्यक्तियों को समर्पित रहा। इस सत्र में श्री योगानंद शास्त्री (पूर्व मंत्री, दिल्ली सरकार), श्री रामेश्वर मलिक (सेवानिवृत्त न्यायाधीश), कैप्टन मान सिंह दलाल (प्रवक्ता, दलाल खाप), डॉ. दिनेश चहल, प्रो. जोगेंद्र मोर (लॉ इंस्टीट्यूट, रोहतक) तथा प्रो. सुधीर पवार (उत्तर प्रदेश) ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने कहा कि खाप व्यवस्था का इतिहास अत्यंत गौरवशाली एवं स्वर्णिम रहा है।

सामाजिक समरसता, न्याय, भाईचारा एवं जनहित के अनेक कार्यों में खापों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने बदलते समय के अनुरूप इस व्यवस्था को और अधिक संगठित, सशक्त एवं प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। तृतीय सत्र मीडिया विषय पर केंद्रित रहा, जिसमें मनदीप पुनिया (पत्रकार), सुदेश नैन मोर (पत्रकार) एवं डॉ. दीप कमल सहारण ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने चर्चा की कि मीडिया में खाप पंचायतों की सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका को पर्याप्त स्थान नहीं मिल पाया है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सुधार, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, भाईचारे और जनकल्याण के क्षेत्रों में खापों द्वारा किए गए कार्यों को व्यापक स्तर पर सामने लाने की आवश्यकता है, ताकि समाज के समक्ष उनका वास्तविक स्वरूप प्रस्तुत हो सके।

वेतन और काम के घंटों को लेकर कानपुर में शुरू श्रमिकों का आंदोलन : किया जमकर प्रदर्शन

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 13 जून । यहां शनिवार को भी अपनी मांगों को लेकर श्रमिकों ने जमकर प्रदर्शन किया। यहां हरी मजार के पास स्थित करम कॉरपोरेशन के सैकड़ों कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। काम ठप करके कर्मचारियों ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप है कि फैक्ट्री मालिक उन्हें तय मिनिमम वेतन भी नहीं दे रहे हैं। इतना ही नहीं एक शिफ्ट 8 घंटे की बजाए 12-12 घंटे की चल रही है।मजदूरों का आरोप है कि विरोध करने पर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया जाता है। उन्हें सैलरी के नाम पर महज 7 से 8 हजार लेकर रुपये थमाए जा रहे हैं। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी भी शामिल थी। कर्मचारियों ने साफ कहा है, कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे पीछे नहीं हटेंगे। बताते चलें कि दादा नगर डी-14 में कैरिन इंटरनेशनल चमड़े के उत्पाद बनाने वाली फैक्ट्री है। यह मुख्य रूप से लेडीज हैंडबैग, चमड़े की बेल्ट और अन्य चमड़े के सामान के निर्माण और खुदरा बिक्री के लिए जानी जाती है। यहां कार्यरत कर्मचारियों की मानें तो उन्हें सरकार की ओर से तय मिनिमम वेतन भी नहीं दिया जा रहा है। इसलिए आज शनिवार को कंपनी में कार्यरत 400 से ज्यादा कर्मचारियों ने काम ठप करके अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए।

फटाफट खबरें

लोनी में सैलून संचालक की चाकू मार कर हत्या

लोनी, यूटर्न/ 13 जून । कोतवाली क्षेत्र के अशोक विहार कॉलोनी में पुरानी रंजिश के चलते सैलून संचालक तस्लीम की चाकू से गोद कर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। मृतक कुछ समय पहले ही हत्या के मामले में जेल से जमानत पर बाहर आया था। परिजनों ने चार लोगों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। जिन लोगों पर आरोप है पुलिस उनकी तलाश कर रही है। अशोक विहार आशियाना सिटी कॉलोनी में तस्लीम परिवार के साथ रहते थे। वह घर से कुछ दूरी पर सैलून चलाते थे। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली कि अशोक विहार कॉलोनी में तस्लीम पर चाकू से हमला कर दिया। सूचना मिलने ही पुलिस मौके पर पहुंची। तस्लीम को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया। शुरूआती पूछताछ में पता चला है कि तस्लीम ने करीब 1 साल पहले कॉलोनी में रहने वाले युवक की चाकू मार कर हत्या की थी। इस मामले में तस्लीम जेल गया था। कुछ दिन पहले ही तस्लीम जेल से छुटकारा आया था। परिजनों का आरोप है कि हमलावरों ने तस्लीम को पहले घर से बाहर बुलाया। उसके बाद चाकू से वार कर हत्या कर दी।

250 बीघे में बसाई जा रहीं कॉलोनियों को प्रशासन ने किया ध्वस्त

लोनी, यूटर्न/ 13 जून । हिंडन डूबक्षेत्र में करीब 250 बीघा भूमि पर अवैध तरीके से बसाई जा रहीं कॉलोनियों पर जिला प्रशासन ने शुक्रवार को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। वहां बने हुए मकानों में रहने वाले लोगों को नोटिस भी दिए गए थे, जेसीबी मशीन चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की है। लोनी तहसीलदार डॉ. अरुण अग्रवाल ने बताया कि हिंडन डूब क्षेत्र में अवैध कॉलोनियां बनाकर बेचने की सूचना मिली तो शुक्रवार को जीडीए, सिंचाई विभाग और पुलिस के साथ क्षेत्र के असालतपुर और भनेडा खुर्द गांव में हिंडन नदी डूब किनारे जेसीबी से ध्वस्त किया गया। हिंडन नदी के डूब क्षेत्र के दोनों गांव में 250 बीघा जमीन पर अवैध रूप से कॉलोनियां बसाई जा रही थी। इन सभी को ध्वस्त कर दिया गया है। इसमें कुछ कॉलोनइजरों के नाम भी सामने आए हैं उन पर भी कार्रवाई की तैयारी है। उन्होंने बताया कि डूब क्षेत्र की कॉलोनियों के निवासियों ने बताया कि उन्होंने सुभाष त्यागी, शिव कुमार त्यागी निवासी भदौली, जोगेंद्र यादव निवासी बहरामपुर और अनिल शर्मा निवासी मयूर विहार दिल्ली से खरीदे थे। कार्रवाई के दौरान निमार्णाधीन प्लाट की चहारदीवारी ध्वस्त की गई हैं।

एनसीआर में घर का सपना दिखाकर किया करोड़ों का फ्रॉड

दिल्ली पुलिस ने रियल एस्टेट कारोबारी शिव नंदन को किया गिरफ्तार

» **दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून ।**

कई निवेशकों से जुड़े करोड़ों रुपये के रियल एस्टेट धोखाधड़ी मामले में वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहे एक भगोड़े अपराधी को दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शिव नंदन सिंह यादव के रूप में हुई है। वह 2019 में दर्ज नौ प्राथमिकियों में वांछित था। इन मामलों में कई पीड़ितों ने शिकायत की थी कि उन्हें एक ऐसे आवासीय परियोजना में निवेश करने के लिए ठगा गया, जो कभी अस्तित्व में ही नहीं आई। उसे शुक्रवार को हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है

पुलिस के अनुसार, ये मामले शाहदरा जिला स्थित कड़कड़डूमा अदालत के मुख्य महानगर दंडाधिकारी के निर्देश पर दर्ज किए गए थे। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की जांच में पता चला कि सभी शिकायतों में आरोपियों का एक ही समूह एम/एस जीआरपीएल ग्लोब रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से काम कर रहा था।

2013 में भी कर चुका है फ्रॉड

पुलिस ने बताया कि कंपनी ने 2013 में ग्रेटर फरीदाबाद के तिलोरी खादर गांव में ''कृष्ण कुंज टाउनशिप'' नामक आवासीय परियोजना शुरू की थी। कंपनी ने विज्ञापनों और एक विकसित आवासीय टाउनशिप का आश्वासन देकर लोगों को आवासीय भूखंडों में निवेश करने के लिए कथित तौर पर प्रेरित किया। प्रस्तावित परियोजना में लगभग 10.26 एकड़ भूमि पर 496 आवासीय भूखंड विकसित किए जाने थे। हालांकि, जांच में पाया गया कि कंपनी और उसके निदेशकों ने परियोजना के संबंध में तथ्यों को कथित रूप से गलत ढंग से प्रस्तुत किया था और टाउनशिप विकसित करने के लिए उनके पास पर्याप्त वैध भूमि भी नहीं थी।

कोर्ट ने घोषित किया था भगोड़ा

निवेशकों से बड़ी रकम जुटाने के बाद आरोपियों ने कथित तौर पर वादा किए गए भूखंड नहीं दिए और परियोजना को बीच में ही छोड़ दिया, जिससे खरीदारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। पुलिस ने बताया कि यादव 2019 से फरार था और लगातार कानूनी कार्रवाई से बचता रहा। कई सालों तक उसका पता नहीं चलने पर 2023 में अदालत ने उसे सभी नौ मामलों में भगोड़ा अपराधी घोषित किया था।

3500 करोड़ रुपए से चमकेगा गाजियाबाद, नगर निगम ने बजट पास किया

गाजियाबाद, यूटर्न/ 13 जून । वित्त वर्ष 2026-27 में गाजियाबाद को साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक के बजट से संवारा जाएगा। नगर निगम की बोर्ड बैठक में शुक्रवार को बजट पास हो गया। इससे शहर में नए विकास कार्य भी कराए जाएंगे और विकास कार्यों को गति दी जाएगी। वहीं, बोर्ड बैठक में पार्षदों ने विभिन्न मुद्दों पर हंगामा भी किया। महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में निगम मुख्यालय में बोर्ड बैठक शुरू हुई। मुख्य लेखाधिकारी ने बैठक में बजट रखा। साथ ही पार्षदों को आय और व्यय की जानकारी दी। निगम की वित्त वर्ष में लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये की आय प्रस्तावित है। निगम के पास अंतिम अवशेष के 1048 करोड़ से अधिक रुपये होंगे। निगम के पास तीन हजार करोड़ से अधिक का बजट है। इसमें से विकास कार्यों पर 2954 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। निगम के पास अगले वित्त वर्ष के लिए 5567 हजार करोड़ रुपये अंतिम अवशेष के रहेंगे। नामित पार्षद सुनील यादव ने कार्यकारिणी सदस्यों को विकास कार्य कराने के लिए अलग से एक-एक करोड़ रुपये बजट के प्रस्ताव पर हंगामा किया। उन्होंने सदन में कहा कि यह गुंडागर्दी नहीं चलेगी। इस पर सदन में हंगामा हो गया।

जिम संचालकों के लिए आईडी कार्ड अनिवार्य, विधायक नंद किशोर गुर्जर ने फैसले का किया स्वागत

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 13 जून ।**

गाजियाबाद जिला प्रशासन की ओर से सभी जिम संचालकों के लिए आईडी कार्ड जारी करना अनिवार्य कर दिया गया है। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि बिना आईडी कार्ड के जिम संचालन करना स्वीकार नहीं किया जाएगा। भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे जिहादी शक्तियों को रोकने के मकसद से जरूरी बताया। उन्होंने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि गाजियाबाद में जिम संचालक खुद को हिंदू बताते हुए जिमा चला रहे थे। लेकिन, साजिशन लड़कियों को अपने झांसे में लेते थे। वो बाइक पर शाम को लड़कियों को घुमाते थे। ऐसा कई बार देखने को मिला। कैसे किसी को जिहादी तंत्र में शामिल करना है, इसके लिए इन लोगों ने बाकायदा पूरी रूपरेखा निर्धारित कर ली थी। इसी रूपरेखा के तहत ये लोग पूरा काम कर रहे थे। इसी को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से यह आदेश जारी किया गया है। उनके मुताबिक, ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जहां पर कुछ लोग अपनी असली पहचान छिपाते हुए जिम चलाते हैं और इसके बाद लड़कियों को झांसे में लेकर उन्हें जिहादी तंत्र का हिस्सा बनाते हैं। अगर आप लोग हिंदू हैं, तो आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि आपको अपनी पहचान छिपानी पड़ रही है। आपको खुलकर अपनी पहचान जाहिर करनी चाहिए। भाजपा विधायक ने कहा कि अब जिला प्रशासन के आदेश के बाद सभी जिम संचालकों को गले में आईडी कार्ड डालकर काम करना होगा। बिना इसके ये लोग काम नहीं कर पाएंगे। मामला यहां पर धर्म का नहीं है, यहां पर गंभीरता बरतने का है। अब किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी।

आईवीएफ सेंटर में जुड़वा बच्चियों की अदला-बदली का दावा, डीएनए जांच में हुआ खुलासा

» **दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून ।**

दिल्ली के एक जोड़े ने पिछले साल ग्रेटर कैलाश के एक फर्टिलिटी क्लिनिक में आईवीएफ का इलाज करवाया था। इस जोड़े ने आरोप लगाया है कि उनके बच्चों की अदला-बदली हो गई है। उनका दावा है कि डीएनए टेस्ट से पता चला है कि उनसे पैदा हुई जुड़वां बच्चियों का जैविक रूप से माता-पिता में से किसी से भी कोई संबंध नहीं है।

मूल रूप से दिल्ली के रहने वाले और अब गुरुग्राम में रह रहे इस जोड़े की पहले से ही दो बेटियां हैं। उन्होंने आईवीएफ ट्रीटमेंट के जरिए अपना परिवार बढ़ाने का फैसला किया था। पति राहुल राठौर ने कहा कि वह पेशे से एक बिल्डर हैं। उनकी पत्नी और उन्हें लगा कि परिवार बढ़ाने का यह सही समय है। इसलिए उन्होंने आईवीएफ ट्रीटमेंट करवाने का फैसला किया।

राठौर ने बताया कि फरवरी 2025 में हमने अपनी गायनोकोलॉजिस्ट की सलाह पर रुककक्ष्ऋक्लिनिक से संपर्क किया। मई 2025 में हमें बताया गया कि तीन एम्ब्रियो (भ्रूण) ट्रांसफर किए गए हैं।

इसके बाद 5 जनवरी 2026 को उनकी पत्नी ने दिल्ली के एक प्राइवेट अस्पताल में जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया।

डिलीवरी के तुरंत बाद ही शक होने लगा

उन्होंने बताया कि डिलीवरी के तुरंत बाद ही शक होने लगा था। उन्होंने कहा कि हमें लगा कि एक बच्चे के चेहरे-मोहरे काफी अलग थे। शुरू में हमें लगा कि शायद अस्पताल में बच्चे की अदला-बदली हो गई है, क्योंकि उस दिन कई डिलीवरी हुई थीं। शक को दूर करने के लिए हमने 8 जनवरी को दोनों बच्चों का डीएनए टेस्ट करवाया। नतीजों से पता चला कि कोई भी बच्चा हममें से किसी का भी बायोलॉजिकल बच्चा नहीं था। नतीजों से हैरान होकर हमने 16 जनवरी को दोबारा डीएनए टेस्ट करवाया। जब उन नतीजों में भी वही बात सामने आई तो हमें एहसास हुआ कि कोई गड़बड़ है।

गाजियाबाद को मिली 38 ई-बसें अब नोएडा में होंगी संचालित

साहिबाबाद, यूटर्न/ 13 जून । जिले के लाखों लोगों को इलेक्ट्रिक बस का सफर अब छिन गया है। गाजियाबाद की इलेक्ट्रिक बसें अब नोएडा में चलेंगी और शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनको वर्चुअल उदघाटन भी कर दिया है। काफी लंबी जद्दोजहद के बाद यह बसें जिले के लोगों के लिए मिली थीं, लेकिन अब फिर से झोली खाली हो गई है। 10 बसों के पांच रूट से हजारों यात्री अब फिर पैदल हो गए हैं। सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर जिले के लोगों ने तरह-तरह की पोस्ट की हैं।

दरअसल, अगस्त 2025 में गाजियाबाद को 38 इलेक्ट्रिक बसें मिली थीं, लेकिन चार्जिंग स्टेशन और तकनीकी कारणों के चलते केवल 10 बसें ही जिले में चल पाई थीं।

उनको मथुरा, मुरादाबाद, मेरठ, नजीबाबाद और कश्मीरी गेट समेत पांच रूटों पर दिसंबर 2025 से संचालित किया जा रहा था। कुछ दिन से इनको अस्थायी रूप से रूट से हटा दिया गया था। शुक्रवार से इन बसों को नोएडा से जेवर एयरपोर्ट के लिए संचालित किया गया। इन पांच मार्गों पर 10 बसों से प्रतिदिन चार हजार यात्री सफर करते थें। अब उनके लिए परेशानी खड़ी हो गई है। बताया जा रहा है कि 28 बसों को भी भविष्य में नोएडा ही भेजा जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी ने बताया कि साहिबाबाद डिपो में खड़ी बसों का संचालन पंजीकरण के बाद नोएडा में ही किया जाएगा। फिलहाल 10 बसों को नोएडा भेज दिया गया है। सोशल मीडिया पर लोगों ने खूब टिप्पणियां की। राज ने पोस्ट करते हुए कहा कि गाजियाबाद को केवल प्रदूषण मिला और नोएडा को ई-बसों की सौगात। साहिबाबाद निवासी जय दीक्षित ने एक्स पर लिखा कि गाजियाबाद की 50 से 60 लाख आबादी को सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। शहर मिली सौगात भी दूसरे जिले को दे दी है। वहीं, इंदिरापुरम से कुलदीप सक्सेना ने अपनी पोस्ट में कहा कि गाजियाबाद में जनहित की सुविधाओं के प्रति डबल इंजन की सरकार संवेदनशील नहीं है।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी के मोबाइल अनलॉक कर बेचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून । दिल्ली पुलिस की पूर्वी जिला स्पेशल स्टाफ ने मोबाइल चोरी और अवैध तस्करी से जुड़े एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 45 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 22 मोबाइल फोन बॉडी, एक लैपटॉप और मोबाइल फोन की सुरक्षा प्रणाली को तोड़ने में इस्तेमाल होने वाला चीनी एएमपी (एएमपी) टूल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी करोल बाग के गफ्फार मार्केट स्थित एक मोबाइल रिपेयरिंग और सॉफ्टवेयर सर्विसिंग केंद्र का संचालन करते थे। आरोप है कि वे चोरी या संदिग्ध तरीके से प्राप्त मोबाइल फोन खरीदकर अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर टूल्स की मदद से उनके सुरक्षा लॉक और फैक्ट्री रीसेट प्रोटेक्शन (एफआरपी) को बायपास करते थे.

नेट-जीरो लक्ष्य के लिए गैर-जीवाश्म ऊर्जा की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए : नीति आयोग

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून ।**

भारत को अपने नेट-जीरो लक्ष्य को हासिल करने के लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता में बड़ी कमी लानी होगी और अपनी कुल ऊर्जा खपत में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक करनी होगी। यह बात नीति आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कही। हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (टीपीसीआई) द्वारा आयोजित इंडिया बायो एनर्जी कॉन्फ्रेंस (आईबीईसी) 2026 में बोलते हुए नीति आयोग के सलाहकार (ऊर्जा) राजनाथ राम ने कहा कि वर्तमान में भारत की प्राथमिक ऊर्जा खपत का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से आता है, जबकि नवीकरणीय और गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी केवल 15 से 18 प्रतिशत के बीच है। उन्होंने कहा, ह्लयदि आप वास्तव में नेट-जीरो देश बनना चाहते हैं, तो आपकी प्राथमिक ऊर्जा व्यवस्था, जो अभी जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों पर अत्यधिक निर्भर है, उसे पूरी तरह बदलना होगा।ह्व

तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य के बीच ऊर्जा सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए राम ने कहा कि भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों और आयात के स्रोतों में विविधता लाने के साथ-साथ घरेलू संसाधनों का बेहतर उपयोग भी करना होगा। उन्होंने बताया कि हालिया वैश्विक व्यवधानों के बाद भारत ने अपने ऊर्जा आयात नेटवर्क को 27 देशों से बढ़ाकर 40 से अधिक देशों तक विस्तारित किया है।

इसके अलावा, उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में कोयला गैसीकरण की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि देश के पास लगभग 300 अरब टन कोयले का भंडार है, जिसका उपयोग सिंथेटिक प्राकृतिक गैस और अन्य औद्योगिक उत्पाद बनाने में किया जा सकता है। इससे आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

सरकार द्वारा हाल ही में मंजूर की गई 37,500 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण पहल का उल्लेख करते हुए राम ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य घरेलू कोयला और लिग्नाइट भंडार को संश्लेषण (सिंथेसिस) गैस में बदलना है, जिसका उपयोग सिंथेटिक प्राकृतिक गैस, मेथेनॉल और अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा, ह्लयदि यह सिंथेटिक प्राकृतिक गैस देश में तैयार की जाती है, तो इससे प्राकृतिक गैस के आयात की आवश्यकता पूरी तरह समाप्त हो सकती है।ह्व

वहीं, टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने बायो-ऊर्जा को भारत के हरित विकास एजेंडा का एक रणनीतिक स्तंभ और ऊर्जा परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

सिंगला ने कहा, ह्लबायो-ऊर्जा केवल एक वैकल्पिक ईंधन स्रोत नहीं है, बल्कि यह भारत की हरित विकास यात्रा का एक रणनीतिक आधार है, जो भविष्य में ऊर्जा परिवर्तन की मजबूत नींव बन सकती है।ह्व

उन्होंने कहा कि बायो-ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने के साथ-साथ कचरा प्रबंधन की समस्या का समाधान, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और किसानों की आय बढ़ाने में भी मददगार हो सकती है। सम्मेलन के दौरान टीपीसीआई ने सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) एसोसिएशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए, ताकि इस क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत किया जा सके।

फटाफट खबरें

रुपया में सप्ताहिक तौर पर डॉलर के मुकाबले मामूली कमजोरी रही

नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून । पिछले सप्ताह भारतीय रुपये का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा। डॉलर के मुकाबले रुपये में सप्ताह भर में 0.18 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें अच्छी मजबूती देखने को मिली, जिससे हुई कुल साप्ताहिक गिरावट में कुछ सुधार आया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 0.68 फीसदी की तेजी के साथ 95.11 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह गुरुवार के 95.76 प्रति डॉलर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण सुधार था, जब रुपये में उल्लेखनीय कमजोरी देखी गई थी। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.94 के स्तर तक भी पहुंचा था, जो बाजार के बेहतर माहौल को दर्शाता है।

मई में ट्राइबर की 1,890 यूनिट्स बिकीं, बनी नंबर-1

नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून । बीते मई महीने रेनो ट्राइबर एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई है। मई में ट्राइबर की 1,890 यूनिट्स बिकीं, जबकि मार्च में पोर्टफोलियो में शामिल हुई नई डस्टर की बिक्री में बड़ी गिरावट दर्ज की गई और वह 1,267 यूनिट्स पर सिमट गई। रेनो इंडिया की मई 2026 की बिक्री के आंकड़े सामने आ गए हैं। यह आंकड़ा कंपनी के लिए अप्रत्याशित है, क्योंकि अप्रैल में डस्टर ने 2,359 यूनिट्स के साथ रेनो की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का स्थान हासिल किया था। मई में काइगर की 656 यूनिट्स और क्विड की 300 यूनिट्स बिकीं, जिससे अप्रैल में 5,413 यूनिट्स की तुलना में रेनो की कुल बिक्री मई में 4,113 यूनिट्स पर गिर गई। रेनो ट्राइबर अपनी 7-सीटर क्षमता, किफायती मूल्य (शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 5.76 लाख रुपए) और सुरक्षा सुविधाओं के कारण ग्राहकों के बीच लगातार लोकप्रिय बनी हुई है। इसके टॉप वेरिएंट में इंटीग्रेटेड एलईडी डीआरएल के साथ एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, 8 इंच का फ्लोटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 7 इंच का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्मार्ट एक्सेस कार्ड और वायरलेस स्मार्टफोन रेप्लिकेशन जैसे फीचर्स मिलते हैं। ट्राइबर में 1.0-लीटर, नैचुरली एस्पिरेटेड, 3-सिलेंडर इंजन लगा है जो 72 पीएस की पावर देता है और यह 5-स्पीड मैनुअल और एएमटी दोनों विकल्पों के साथ उपलब्ध है।

ईडी ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह के दो पूर्व अधिकारियों को किया गिरफ्तार

मुंबई, यूटर्न/ 13 जून । अधिकारियों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत रिलायंस अनिल अंबानी समूह (एडीएजी) के दो पूर्व अधिकारियों को मुंबई में गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के पूर्व निदेशक सतीश सेठ और गौतम दोशी को ट्रांजिट रिमांड पर लिया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मार्च में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से जुड़े 114.98 करोड़ रुपए के कथित लोन धोखाधड़ी मामले की जांच के तहत दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया था और उनके परिसरों पर छापेमारी भी की थी। सतीश सेठ पहले रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। उन्हें आगे की हिरासत के लिए दिल्ली की अदालत में पेश किया जाएगा। रिलायंस समूह के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा कि ह्लसतीश सेठ (70 वर्ष) और गौतम दोशी (73 वर्ष) का अब समूह से कोई संबंध नहीं है।ह्व प्रवक्ता ने कहा, ह्लसतीश सेठ ने समूह में समूह प्रबंध निदेशक के रूप में और कई कंपनियों के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में सेवाएं दी थीं। उन्होंने वर्ष 2025 में समूह छोड़ दिया था।

अशोक लीलैंड का डिफेंस में नया दौर: ड्रोन, ऑटोनोमस और 11,000 करोड़ का दांव

विदेशी बाजारों में अपनी उपस्थिति को मौजूदा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने का लक्ष्य

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून ।**

भारत की दूसरी सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी बस कंपनी अशोक लीलैंड अपने डिफेंस मोबिलिटी कारोबार में एक महत्वपूर्ण बदलाव और विस्तार के लिए कमर कस रही है। कंपनी आगामी वर्षों में लॉजिस्टिक्स ड्रोन, ऑटोनॉमस वाहनों और हाइड्रोजन-फ्यूल तकनीक जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रवेश के साथ एक नया अध्याय शुरू करने की तैयारी में है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अशोक लीलैंड अगले तीन से पांच वर्षों में भारत के 11,000 करोड़ रुपये के डिफेंस मोबिलिटी टेंडरों पर बड़ा दांव लगाने के साथ-साथ विदेशी बाजारों में अपनी उपस्थिति को मौजूदा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर

25 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी की डिफेंस टीम कई नए विकल्पों पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है, जो भविष्य की युद्धभूमि की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। इनमें सबसे प्रमुख अपने प्रतिष्ठित डिफेंस ब्रांड स्टैलियन का ऑटोनॉमस वर्सन विकसित करना है। अशोक लीलैंड के रक्षा व्यवसाय के एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों के मुख्य वाहन स्टैलियन को ऑटोनॉमस बनाना एक चुनौती है, और हम इस पर काम कर रहे हैं। यह भविष्य का कार्यक्रम है जिसमें कनेक्टेड वाहन शामिल होंगे। इन स्व-चालित वाहनों का उपयोग लॉजिस्टिक्स आपूर्ति और कुछ महत्वपूर्ण अग्रिम सैन्य ऑपरेशनों में होने की संभावना है, जिससे सैनिकों की सुरक्षा और दक्षता बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त, कंपनी व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर (वीएफजे) के साथ मिलकर हाइड्रोजन-फ्यूल पर चलने वाले स्टैलियन पर भी काम कर रही है, जो स्वच्छ ऊर्जा और रणनीतिक स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी रक्षा उद्देश्यों के लिए लॉजिस्टिक्स ड्रोन क्षेत्र में संभावित प्रवेश की भी संभावनाएं तलाश रही है, जो सैन्य आपूर्ति और निगरानी में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

बॉन्ड बाजार में लौटी रौनक, कंपनियों व संस्थानों ने जुटाए 27,000 करोड़

अगले हफ्ते भी जारी रहेगा बॉन्ड जारी करने का सिलसिला

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून ।**

इस हफ्ते भारतीय कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई, जहां कंपनियों और संस्थानों ने करीब 27,000 करोड़ रुपये जुटाए। बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट के कारण उधार लेने की लागत कम होने से कंपनियों ने बड़े पैमाने पर बॉन्ड जारी करना शुरू कर दिया है। यह तेजी प्रारंभिक वित्त वर्ष में देखी गई सुस्ती के बाद आई है, जब ऊंची यील्ड ने उधारकताओं को बैंक ऋण का सहारा लेने पर मजबूर किया था। इस सप्ताह अच्छी रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड पर यील्ड लगभग 50 से 70 आधार अंक तक कम हुई, जबकि 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में करीब 9 आधार अंक की गिरावट दर्ज की गई। यील्ड में इस अनुकूल कमी ने कंपनियों के लिए बॉन्ड बाजार से पूंजी जुटाना अधिक आकर्षक बना दिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया नीतिगत समर्थन और पूंजी जुटाने के लिए उठाए गए कदमों, जैसे विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक (बी) जमा और बा' वाणिज्यिक उधारी को बढ़ावा देने से भी पूंजी जुटाने की स्थिति में सुधार हुआ है और रुपये को स्थिर करने में मदद मिली है। बाजार में यह उत्साह अगले हफ्ते भी जारी रहने की उम्मीद है। हाउसिंग ऐंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (हडको), भारतीय लघु

उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान अगले हफ्ते बॉन्ड से कुल 13,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं।

चालू वित्त वर्ष के शुरूआती दो महीनों (अप्रैल और मई) में प्राथमिक बाजारों में काफी कम गतिविधियां देखी गई थीं, जब भारतीय कंपनियों ने घरेलू बॉन्ड बाजार से केवल 1.07 लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई थी। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले लगभग 58 फीसदी कम थी और वित्त वर्ष 2023 के बाद से किसी भी वित्त वर्ष के शुरूआती दो महीनों में जुटाई गई सबसे कम रकम थी। इस सप्ताह नेशनल बैंक फॉर फाइनैंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐंड डेवलपमेंट (नैबफिड) ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाए।

नैबफिड ने 10 साल के बॉन्ड के लिए 7.66 फीसदी और 3 साल वाले बॉन्ड से 7.37 फीसदी यील्ड पर बोलियां स्वीकार कीं।

अमेरिकी आदेश के बाद एन्थ्रोपिक ने बंद किए अपने सबसे एडवांस एआई मॉडल

नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून । अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एन्थ्रोपिक ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अमेरिकी सरकार के आदेश के बाद अपने सबसे उन्नत एआई मॉडल फेविल 5 और मायथॉस 5 को सभी विदेशी उपयोगकताओं के लिए बंद कर दिया है। एन्थ्रोपिक को मिले निर्देश में फेविल 5 के सुरक्षा उपायों को बायपास या जेलब्रेक करने की आशंका जताई गई है, जिससे सॉफ्टवेयर कमजोरियों का पता लग सकता है। हालांकि, कंपनी ने केवल एक संभावित सीमित जेलब्रेक के मौखिक सबूत मिलने की बात कही। एन्थ्रोपिक ने करोड़ों लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कमर्शियल मॉडल को ऐसे सीमित कारण से वापस लेने को अनुचित बताया है, जिससे एआई डेवलपर्स और नियामकों के बीच तनाव बढ़ा है। यह कार्रवाई कंपनी के ट्रंप प्रशासन से पुराने विवाद और अमेरिकी सेना को अपने एआई मॉडल घरेलू निगरानी या स्वचालित हथियारों के लिए देने से इनकार के बाद हुई है, जिसके जवाब में सरकार ने उसे ब्लैकलिस्ट किया था। यह घटना विदेशी एआई क्षमताओं को रोकने के अमेरिकी प्रयासों में एक बड़ा बदलाव भी दर्शाती है, जहां अब निर्यात नियंत्रण का ध्यान एआई तक विदेशी पहुंच को सीधे सीमित करने पर है, जो पहले चिप्स और टूल्स पर केंद्रित था। एन्थ्रोपिक ने इस सरकारी कार्रवाई को निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित नियमन के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं बताया है।

स्पेसएक्स की बंपर लिस्टिंग

एलन मस्क बने दुनिया के पहले ट्रिलियनियर

» **वाशिंगटन, यूटर्न/ 13 जून ।**

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार में शानदार शुरूआत करते हुए अपने सीईओ एलन मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनियर बना दिया। कंपनी के शेयर पहले ही दिन 23 प्रतिशत उछल गए, जिससे मस्क की संपत्ति 1.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गई। स्पेसएक्स के शेयर 150 डॉलर के भाव पर खुले, जो निर्गम मूल्य से 11 प्रतिशत अधिक था, और शीघ्र ही 166.90 डॉलर तक पहुंचे। इस जोरदार शुरूआत ने कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 2.18 लाख करोड़

डॉलर आंका, जिससे फोर्ब्स के अनुमान के अनुसार एलन मस्क की कुल संपत्ति $1.1 लाख करोड़ हो गई है, और वे इतिहास के पहले ट्रिलियनियर बन गए हैं। कंपनी ने 135 डॉलर प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 55.56 करोड़ शेयर बेचकर रिकॉर्ड $75 अरब जुटाए, जो 2019 के सऊदी अरामको के 26 अरब डॉलर के आईपीओ के रिकॉर्ड को भी तोड़ गया। मस्क ने इन निधियों को उपग्रहों, अंतरिक्ष में डेटा सेंटर स्थापित करने और मंगल पर मानव बस्ती बसाने जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आम लोगों को चंद्रमा और मंगल तक ले जाने की कंपनी की योजनाओं का भी जिक्र किया। हालांकि, कंपनी को जनवरी 2025 से मार्च 2026 के बीच 8.7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है...

वृद्धाश्रम को 30 सिलिंडर की जरूरत, मिल रहे सिर्फ चार, वृद्धजनों के खाने नाश्ते का संकट

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 13 जून ।

समाज कल्याण विभाग के दुहाई स्थित वृद्धाश्रम को पर्याप्त सिलिंडर नहीं मिलने की वजह से वृद्धजनों के लिए खाना नाश्ता बनने का संकट खड़ा हो गया। बीते दो माह में आश्रम को 30 की बजाय माह में सिर्फ चार सिलिंडर दिए जा रहे हैं। अभी तक खाना नाश्ता पहले से रखी लकड़ी में पकाया जा रहा था, लेकिन अब लकड़ी भी खत्म हो गई है। ऐसे में वृद्धजनों की देखरेख को लेकर वार्डन और स्टाफ की चिंता बढ़ रही है।

इस संबंध में आश्रम की वार्डन इंद्रेश कुलश्रेष्ठ ने समाज कल्याण अधिकारी को पत्र लिखकर सिलिंडर दिलाने की मांग की है।

उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को भी इस संबंध में पत्र दिया है। इंद्रेश कुलश्रेष्ठ ने बताया कि आश्रम में करीब 100 वृद्धजन और 10 लोगों का स्टाफ उनकी देखरेख के लिए है। कई बार बाहर से आंगतुक भी आ जाते हैं। वृद्धजनों को सवेरे चाय, फिर नाश्ता, दोपहर के खाने के अलावा शाम की चाय, खाना और फिर सोते वक्त दूध दिया जाता है। नियम के हिसाब से उसमें किसी तरह की कोई कटौती भी नहीं हो सकती। इसके बावजूद कोई सुनने वाला नहीं है।

हालत यह है कि एजेंसी संचालक को 15 सिलिंडर की व्यवस्था कराने का जो आदेश पूर्ति अधिकारी ने दिया था, उसका भी पालन नहीं हो रहा है। पश्चिमी एशिया के तनाव का कारण बताकर एजेंसी संचालक समस्या का समाधान नहीं कर रहा है। अब समझ नहीं आ रहा है कि बुर्जुगों को खाने, पीने की व्यवस्था कैसे कराई जाए।

झटका ! दिल्ली में बिजली हुई महंगी !

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून ।

दिल्लीवासियों के बिजली के बिल अब थोड़ा और बढ़कर आ सकते हैं। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने बिजली वितरण कंपनियों को सरचार्ज बढ़ाने को मंजूरी दी है। इसका सबसे ज्यादा असर पूर्वी और मध्य दिल्ली के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा जिन्हें बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) बिजली सप्लाई करती है। दरअसल डीईआरसी ने फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) में बढ़ोत्तरी को मंजूरी दी है जो कि बिजली वितरण कंपनियों को बिजली खरीदने में अचानक हुई कीमत बढ़ोत्तरी की भरपाई करने की सुविधा देता है। बिजली वितरण कंपनियों ने अप्रैल में आयोग से कहा था कि बिजली खरीदने की वास्तविक खरीद लागत बढ़ी है ऐसे में सरचार्ज वसुलने की 10 प्रतिशत की अधिकतम सीमा में बढ़ोत्तरी की जाए। कंपनियों ने कहा था कि ईंधन के बढ़ते दाम और वैश्विक बाजार के अनिश्चित हालातों के कारण बिजली खरीदने का खर्च काफी बढ़ गया है। जिसके बाद आयोग ने यह फैसला लिया है।

कितने से कितना हुआ सरचार्ज?

दिल्ली में तीन बिजली वितरण कंपनियां हैं। पूर्व और मध्य दिल्ली में बीएसईएस यमुना पवर लिमिटेड के उपभोक्ताओं के बिल में लगभग 5.7 फीसदी की बढ़ोत्तरी, इरएर राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) के उपभोक्ताओं के बिल में 3.4 फीसदी बढ़ोत्तरी जबकि टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के उपभोक्ताओं के बिल में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है। यह बढ़ोत्तरी जून में लागू होगी और जुलाई से उपभोक्ताओं को ज्यादा बिला चुकाना होगा।

उपभोक्ताओं पर कितना असर?

छपी एक एक खबर के मुताबिक, ऐसे बीवीपीएल उपभोक्ता जिनके पास 2 किलोवाट लोड मीटर है और हर महीने 600 यूनिट बिजली का इस्तेमाल करते हैं उनके बिल में लगभग 170 रुपये की बढ़ोत्तरी हो सकती है यानी 3,766 से बढ़कर 3,936 रुपये। इसी तरह बीआरपीएल उभोक्ताओं के बिल में लगभग 102 रुपये की बढ़ोत्तरी होगी यानी 3,850 के बदले 3,952 रुपए भुगतान करना होगा।

अबतक कितना फीसदी सरचार्ज

डीईआरसी ने सबसे ज्यादा सरचार्ज में बढ़ोत्तरी की मंजूरी बीवाईपीएल की दी है जो कि 11.71% से बढ़कर 17.43% हो गई है यानी 5.72 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी। इसके बाद बीआरपीएल को सरचार्ज 14.51% से बढ़ाकर 17.94% करने की मंजूरी मिली है जबकि टीपीडीडीएल को सरचार्ज 15.99% से बढ़कर 16% करने की मंजूर मिली है।

डीएमई के डिवाइडर से टकराए डंपर में घुसा कंटेनर, चालक की मौत

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 13 जून ।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह करीब साढ़े चार बजे एक डंपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। उसके पीछे तेज रफ्तार से आ रहा कंटेनर क्षतिग्रस्त डंपर में जा घुसा। हादसे में कंटेनर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, डंपर का चालक हादसे के बाद भाग गया, उसकी तलाश की जा रही है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि हादसा होटल क्रिस्टल के सामने हुआ। मृतक की पहचान अमरोहा के गंगवार पोस्ट स्थित बास गांव निवासी जाकिर अली (32) के रूप में हुई है। दोनों वाहन लालकुआं क्षेत्र से दिल्ली की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस ने हाईड्रा की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सामान्य कराया गया।

पपीतों से भरा ट्रक डिवाइडर पर चढ़ा, दिनभर लगा रहा जाम

नगर कोतवाली क्षेत्र में एमएमजी अस्पताल के सामने जीटी रोड पर बृहस्पतिवार देर रात पपीतों से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। इससे ट्रक के दोनों अगले पहिये निकलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे के कारण शुक्रवार को दिनभर जीटी रोड पर जाम की स्थिति बनी रही। ट्रक चालक मोहम्मद अशरफ ने बताया कि चार दिन पहले कर्नाटक से पपीते लेकर साहिबाबाद मंडी के लिए निकला था। देर रात एक कार को बचाने के प्रयास में ट्रक डिवाइडर से टकरा गया। शुक्रवार दोपहर ट्रक से पपीते उतारकर मंडी भेजे गए। इसके बाद क्षतिग्रस्त ट्रक को हटाकर यातायात सुचारु कराया गया। एसीपी नगर कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि ट्रक को सड़क से हटा दिया गया है। कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

आरोपी यश खटीक का खुला फर्जीवाड़ा, मिले दो आधार कार्ड

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 13 जून ।

पैरा एथलीट चिराग त्यागी हत्याकांड की जांच के दौरान मुख्य आरोपी यश खटीक के फजीर्वाड़े की परतें भी खुल रही हैं। पुलिस जांच में यश के दो आधार कार्ड मिले हैं। दोनों में उसकी जन्मतिथि अलग है। आशंका है कि पैरा एथलीट बनने के लिए उसने यह फजीर्वाड़ा किया। यह भी पता चला है कि जनवरी 2026 में ओलंपिक संघ की ओर से कराई गई जांच में उसमें किसी प्रकार की दिव्यांगता की पुष्टि नहीं हुई थी। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल के अनुसार, जांच में सामने आया है कि यश खटीक शारीरिक रूप से स्वस्थ है। नई दिल्ली स्थित महाजन इमेजिंग एंड लैब की रिपोर्ट में उसकी आंखों का रेटिना और मस्तिष्क सामान्य पाए गए थे। इसी के चलते उसका चयन पैरा एथलीट प्रतियोगिताओं के लिए नहीं हो सका था। आरोप है कि वह आंखों की दिव्यांगता बताकर ही पैरा एथलीट बना था। डीसीपी ने बताया कि जांच में यश के दो आधार कार्ड भी मिले हैं। एक में उसकी जन्मतिथि पांच नवंबर 2008 और दूसरे में छह जुलाई 2005 दर्ज है। पुलिस ने दोनों दस्तावेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। यह भी सामने आया है कि चिराग त्यागी की चेकबुक, यूपीआई कोड और पासवर्ड की जानकारी यश को थी। उसने इसी वर्ष आठ मई को चिराग के खाते से 50 हजार रुपये, 27 मई को 25 हजार रुपये और 29 मई को एक लाख रुपये निकाले थे। चिराग की हत्या के बाद भी आरोपी ने बसंतपुर सैंथली स्थित बैंक जाकर उसके खाते से तीन लाख रुपये निकाले थे।

महापंचायत की तैयारी पर पुलिस की नजर

चिराग त्यागी संघर्ष समिति के आ'ान पर 14 जून को बसंतपुर सैंथली स्थित जेवीएस फार्म में महापंचायत होगी। इसमें चिराग के माता-पिता को न्याय दिलाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, आजीविका के लिए दुकान आवंटित करने, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और चिराग की स्मृति में स्टेडियम निर्माण जैसी मांगें उठाई जाएंगी। परिजनों का आरोप है कि घटना को दो सप्ताह बीतने के बाद भी न तो फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है और न ही प्रशासन ने उनकी सुध ली है। मांगें पूरी नहीं होने पर महापंचायत में आमरण अनशन की घोषणा भी की जा सकती है।

हंगामे के बीच 3,510 करोड़ के बजट पर मुहर, 2,954 करोड़ से होगा शहर का विकास

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 13 जून ।

नगर निगम बोर्ड की बैठक शुक्रवार को हंगामे और तीखी नोकझोंक के बीच संपन्न हुई। करीब चार घंटे चली बैठक में सर्वसम्मति से 3,510 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी गई। इसमें 2,954 करोड़ रुपये से शहर के विकास कार्य कराने का प्रस्ताव पारित किया गया। दिलचस्प बात यह रही कि बैठक के दौरान विभिन्न मुद्दों पर तीखी बहस के साथ नामित और चुने गए पार्षदों के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिला।

बैठक के दौरान भाजपा पार्षद राजीव शर्मा ने कूड़ा उठाने वाली जीरोन कंपनी का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि कंपनी के खिलाफ नंदग्राम थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद उसे ब्लैकलिस्ट नहीं किया गया और 27 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान भी कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी ने दिल्ली का कूड़ा जिले की सीमा में डाला, फिर भी उसका टेंडर निरस्त नहीं किया गया।

इसके अलावा उन्होंने विज्ञापन फर्म की ओर से निर्धारित क्षेत्र से अधिक जगहों पर प्रचार करने के मामले की जांच में देरी पर भी सवाल उठाए। इस पर महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जांच समिति गठित करने की बात कही।

नामित और निर्वाचित पार्षदों में तकरार

सुबह 11 बजे शुरू हुई बैठक दोपहर तीन बजे तक चली। करीब एक बजे माइक पर बोलने को लेकर पार्षदों के बीच बहस शुरू हो गई। पार्षद पूनम सिंह ने महिलाओं को बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलने की बात कही। इस पर नामित पार्षद भगवत गुप्ता नाराज हो गए। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। भगवत गुप्ता ने पूनम सिंह को कहा कि आप चुप रहो। इसके बाद उन्होंने हफ्फ कह दिया। इस पर पूनम सिंह बिफर गईं। उन्होंने भगवत सिंह पर महिला का अपमान करने का आरोप लगाया। अन्य पार्षद भी पूनम सिंह के समर्थन में उतर आए। बाद में महापौर और नगर आयुक्त के हस्तक्षेप पर भगवत गुप्ता ने माफी मांगी, तब जाकर मामला शांत हुआ। इसके आधे घंटे बाद नामित पार्षद सुमन जाटव ने भी नामित पार्षदों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शासन ने उन्हें जिम्मेदारी दी है, इसलिए उन्हें कमतर आंकना उचित नहीं है।

सदन की गरिमा पर उठे सवाल

पार्षद रेखा गोस्वामी ने सदन में हो रही बहस और अभद्र टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि पार्षदों का आचरण सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं है। यहां तक कि पीछे से मां-बहन की गालियां सुनाई दे रही हैं, जो महिलाओं के सम्मान की बात करने वालों के लिए शर्मनाक है। उन्होंने आगे कहा कि पार्षदों का व्यवहार देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये लोग अनपढ़ हैं।

संक्षिप्त खबरें

नशीला पदार्थ लेकर घूमते पकड़ा

गुरुग्राम, यूटर्न/ 13 जून । नशीला पदार्थ लेकर घूमते हुए पटौदी पुलिस ने नरहेड़ा बाईपास से एक युवक को पकड़ा है। इसकी पहचान गांव महचाना निवासी संजीत के रूप में हुई है। इसके कब्जे से 170 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। मामला दर्ज कर लिया है। पूछताछ में पता चला कि यह नशे करने का आदि है। इसने यह गांजा किसी से खरीदा था। इससे खुद नशा करता है और लोगों को बेचता।

बाइक चोरी का आरोपी पकड़ा

गुरुग्राम, यूटर्न/ 13 जून । बाइक चोरी के एक आरोपी को अपराध शाखा, सोहना ने पकड़ा है। आरोपी की पहचान राजस्थान के डींग के गांव जोत सतरुद्दीन गढ़ी निवासी गुरनाम के रूप में हुई है। बाइक बरामद की जा चुकी है। आरोपी के खिलाफ चोरी का एक मुकदमा राजस्थान में पहले से दर्ज है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

देशी पिस्टल लेकर घूमता युवक पकड़ा

गुरुग्राम, यूटर्न/ 13 जून । अवैध रूप से देशी पिस्टल लेकर घूमते हुए एक युवक को अपराध शाखा, सेक्टर-31 ने पकड़ा है। अशोक विहार फेज-एक में मदर डेयरी के समीप से पकड़े गए युवक की पहचान अशोक विहार फेज-एक निवासी देव उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। आरोपी ने बताया कि उसने यह पिस्टल 60 हजार रुपये में एक अन्य व्यक्ति से खरीदी थी।

डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर दो लाख ठगे

गाजियाबाद, यूटर्न/ 13 जून । साइबर ठगों ने कविनगर क्षेत्र की रहने वाली एक महिला को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर दो लाख रुपये ठग लिए। शातिरों ने खुद को महाराष्ट्र हेडक्वार्टर का अधिकारी बताया। इसके बाद मनी लांड्रिंग व अवैध हथियार की खरीद के मामले में उनका नाम शामिल होने का डर दिखाकर फंसाया। फर्जी नोटिस भेजकर ठगों ने डरा धमकाकर उनसे दो लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। ठगी का अहसास होने पर मामले में उन्होंने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। एडीसीपी अपराध पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि 14 मई को उनके पास लैंडलाइन नंबर पर एक अनजान व्यक्ति की कॉल आई। कॉलर ने कहा कि उनके नाम से एक गंभीर शिकायत दर्ज हुई है।

सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई बैडमिंटन ओपन में खेलती हुई महिला खिलाड़ियों की जोड़ी।

विश्व कप से पहले जापान को बड़ा झटका

कप्तान वातारू एंडो ने चोट के कारण लिया संन्यास

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 13 जून ।**

फीफा विश्व कप 2026 के आगाज से ठीक पहले जापान की फुटबॉल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान और इंग्लिश क्लब लिवरपूल के स्टार मिडफील्डर वातारू एंडो चोट के कारण न केवल विश्व कप से बाहर हो गए हैं, बल्कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की भी घोषणा कर दी है। 33 वर्षीय एंडो के इस फैसले के साथ जापान की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका लगभग एक दशक लंबा सफर समाप्त हो गया। जापान का पहला मुकाबला 15 जून को ग्रुप एफ में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेला जाना है, लेकिन उससे पहले कप्तान के बाहर होने की खबर ने टीम की तैयारियों को प्रभावित किया है।

एंडो ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने संन्यास और विश्व कप टीम से हटने की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि चोट से उबरकर टूर्नामेंट में खेलने के लिए उन्होंने हर संभव प्रयास किया, लेकिन पूरी तरह फिट नहीं हो सके।

अपने भावुक संदेश में एंडो ने कहा कि उन्होंने वापसी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और इस बात का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाने का दुख जरूर है, लेकिन उससे कहीं अधिक गर्व उन्हें इस बात का है कि कतर विश्व कप के बाद जापानी टीम ने लगातार प्रगति की और खुद को मजबूत बनाया। एंडो ने मौजूदा जापानी टीम पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि वर्तमान टीम बेहद प्रतिभाशाली और मजबूत है। उनके अनुसार खिलाड़ी किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता रखते हैं और इस विश्व कप में ऐसा प्रदर्शन कर सकते हैं, जो पहले कभी देखने को नहीं मिला। उन्होंने उम्मीद जताई कि जापान भविष्य में विश्व कप जीतने का अपना सपना जरूर पूरा करेगा।

वातारू एंडो जापान के सबसे भरोसेमंद मिडफील्डरों में गिने जाते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता, खेल की समझ और मैदान पर अनुशासन ने उन्हें राष्ट्रीय टीम का अहम स्तंभ बनाया। पिछले दस वर्षों में उन्होंने जापानी फुटबॉल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब एंडो एक प्रशंसक के रूप में टीम का समर्थन करेंगे। उनके संन्यास से जापानी फुटबॉल का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो गया है, लेकिन उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरित करती रहेगी। विश्व कप से ठीक पहले कप्तान की विदाई जापान के लिए भावनात्मक क्षण है, वहीं टीम के सामने उनके बिना बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती भी होगी।

13 साल बाद रियल मैड्रिड में जोस मोरिन्हो की वापसी

मैड्रिड, यूटर्न/ 13 जून । स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने अनुभवी कोच जोस मोरिन्हो को एक बार फिर टीम की कमान सौंप दी है। क्लब ने मोरिन्हो को अगले तीन वर्षों के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह अनुबंध जून 2029 तक प्रभावी रहेगा। इस नियुक्ति के साथ ही मोरिन्हो की 13 वर्षों बाद रियल मैड्रिड में वापसी हो गई है। क्लब और उसके प्रशंसकों को उम्मीद है कि उनके अनुभव और नेतृत्व में टीम एक बार फिर घरेलू और यूरोपीय फुटबॉल में नई ऊंचाइयों को छू सकेगी। रियल मैड्रिड के निदेशक मंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज की मौजूदगी में हुई बैठक में मोरिन्हो को अगले तीन सत्रों के लिए प्रथम टीम का मुख्य कोच नियुक्त करने पर सहमति बनी। वह 13 जुलाई से आधिकारिक रूप से अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे और टीम के साथ काम शुरू करेंगे।

मोरिन्हो इससे पहले भी रियल मैड्रिड के साथ सफल कार्यकाल बिता चुके हैं। उनके नेतृत्व में क्लब ने ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जैसे महत्वपूर्ण खिताब जीते थे। उस दौर में रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच प्रतिद्वंद्विता अपने चरम पर थी। विशेष रूप से पेप गार्डियोला के नेतृत्व वाली बार्सिलोना और मोरिन्हो की रियल मैड्रिड के मुकाबले विश्व फुटबॉल के सबसे चर्चित संघर्षों में गिने जाते थे। रियल मैड्रिड में वापसी से पहले मोरिन्हो पुर्तगाल के क्लब बेनफिका के साथ जुड़े हुए थे। हालांकि उनके नेतृत्व में टीम कोई बड़ा खिताब नहीं जीत सकी, लेकिन क्लब ने लीगा पुर्तगाल में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और पूरे अभियान में अपराजित रहने में सफलता हासिल की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मोरिन्हो को अनुबंध से मुक्त कराने के लिए रियल मैड्रिड ने लगभग 15 मिलियन यूरो का मुआवजा भुगतान किया है।

छोले-कुलचे की रेहड़ी से टीम इंडिया तक पहुंचा अर्जुन

अंडर-19 टीम में चयन से जालंधर में खुशी की लहर

जालंधर, यूटर्न/ 13 जून । दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और परिवार के सहयोग के दम पर जालंधर के युवा क्रिकेटर अर्जुन राजपूत ने वह उपलब्धि हासिल की है, जिसका सपना लाखों खिलाड़ी देखते हैं। शहर के राम नगर क्षेत्र में छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाने वाले होती राम के बेटे अर्जुन का चयन भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। आगामी 4 जुलाई को भारतीय टीम श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होगी, जहां अर्जुन पहली बार देश की नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। उनके चयन से पूरे परिवार और इलाके में खुशी का माहौल है। बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के ऑफ स्पिन गेंदबाज अर्जुन ने बेहद साधारण परिस्थितियों में अपने क्रिकेट करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने क्रिकेट की बारीकियां हरभजन सिंह क्रिकेट अकादमी में सीखीं और लगातार मेहनत के बल पर राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया। इस दौरान उनके कोच विक्रम सिद्धू ने भी उन्हें हर कदम पर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। भारतीय टीम में चयन होने के बाद अर्जुन ने कहा कि उन्होंने आठ-नौ वर्ष की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और आज यह उपलब्धि हासिल कर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका दौरे पर टीम का लक्ष्य अच्छा प्रदर्शन करते हुए सभी मुकाबले जीतना और ट्रॉफी भारत लाना होगा। अर्जुन ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और परिवार को देते हुए कहा कि कठिन समय में उन्होंने हमेशा उनका मनोबल बढ़ाया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अर्जुन ने बताया कि उनके पिता डीएवी कॉलेज के बाहर वर्षों से छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। उन्होंने बेटे के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने के लिए अथक मेहनत की। अर्जुन ने भावुक होकर कहा कि अब उनकी जिम्मेदारी है कि वह अपने पिता के सपनों को पूरा करें और उन्हें संघर्ष से राहत दिलाएं।

बॉलीबुड में ग्लेमर का तड़का

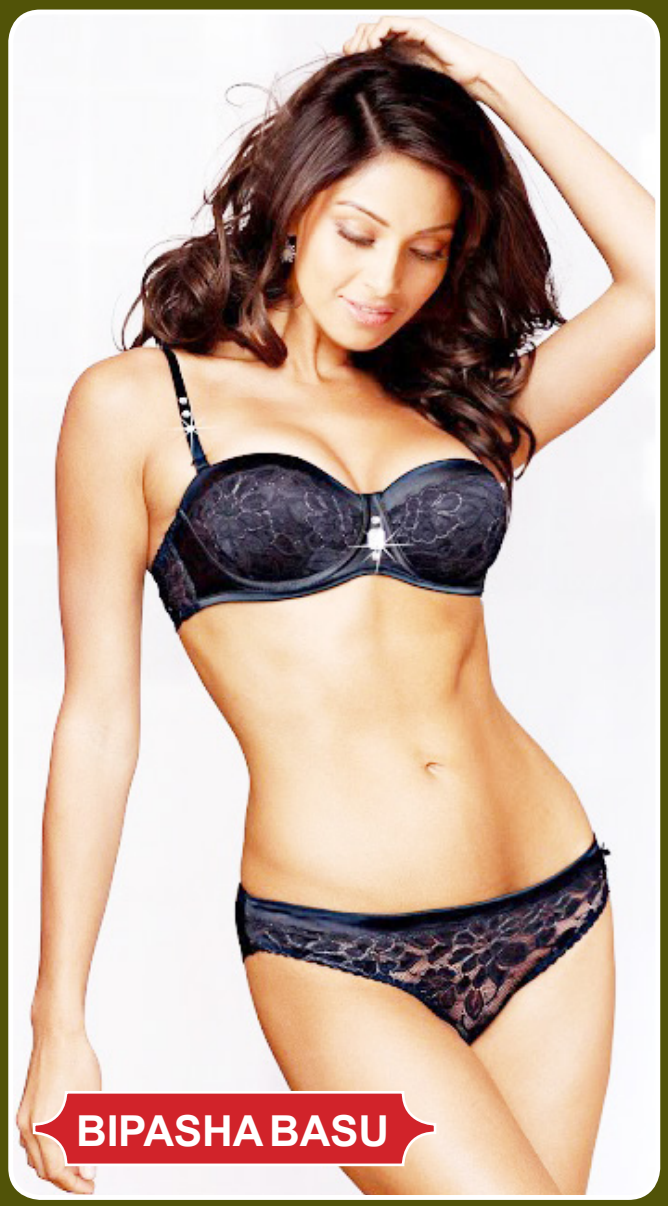

BIPASHA BASU

POONAM PANDEY

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

फटाफट खबरें

अमेरिका के साथ ईरान का समझौता 'पहले से कहीं ज्यादा करीब' है: अराघची

तेहरान, यूटर्न/ 13 जून । ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि ईरान में लड़ाई खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ समझौता 'पहले से कहीं ज्यादा करीब' है। श्री अराघची ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन पहले कभी इतना करीब नहीं था। जब तक यह फाइनल नहीं हो जाता, मीडिया को इसके कंटेंट के बारे में अंदाजा लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमारे ज़िम्मेदार और पारदर्शी नजरिए के हिसाब से सभी जानकारियां सही समय पर जनता के साथ शेयर की जाएंगी।' लड़ रहे पक्षों के बीच मध्यस्थता कर रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी अराघची की बात का समर्थन करते हुए कहा कि 'शांति समझौते का अंतिम और स्वीकृत मसौदा तैयार हो गया है और पाकिस्तान अब अगले कदमों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों पक्षों के साथ मिलकर काम कर रहा है'।

ईरान की शर्त: पहले अंतरिम समझौता, फिर परमाणु वार्ता

तेहरान, यूटर्न/ 13 जून । ईरान ने अमेरिका के साथ संभावित शांति समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा, कि दोनों देशों के बीच होने वाला समझौता किसी भी तरह से अंतिम परमाणु समझौता नहीं होगा। उनके अनुसार, पहले एक अंतरिम डील लागू की जाएगी और उसके सफल क्रियान्वयन के बाद ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर औपचारिक वार्ता शुरू होगी। अराघची ने बताया कि प्रस्तावित समझौते के मसौदे में कुल 14 बिंदु शामिल हैं। इनमें सबसे प्रमुख होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) को दोबारा खोलना, क्षेत्रीय संघर्षों को समाप्त करने की दिशा में कदम उठाना तथा अमेरिका और ईरान द्वारा एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का वादा शामिल है। उन्होंने कहा कि परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा दूसरे चरण में होगी, जिसकी अवधि लगभग 60 दिनों की होगी। ईरानी विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट का संचालन युद्ध से पहले जैसी व्यवस्था के तहत नहीं होगा।

नौसेना ने होर्मुज से बिना अनुमति गुजरने वाले जहाजों पर की गोलीबारी: ईरानी मीडिया का दावा

तेहरान, यूटर्न/ 13 जून । स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के एक बंदरगाह पर धमाकों की आवाज सुनी गई है। ईरानी नौसेना ने शनिवार को कथित तौर पर उन जहाजों पर निशाना साधा है जिन्होंने उनके निदेशों का पालन करने से मना कर दिया था। ईरान के सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के अनुसार, ईरानी नौसेना ने उन जहाजों पर गोलीबारी की जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ईरान की अनुमति के बिना गुजरने या बाहर निकलने का प्रयास कर रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि संबंधित जहाजों को पहले चेतावनी दी गई थी, लेकिन निदेशों का पालन न करने पर ईरानी बलों ने उन पर चेतावनी स्वरूप फायरिंग की। ईरान का दावा है कि हाल के महीनों में उसने जलडमरूमध्य में आवाजाही के लिए विशेष नियंत्रण और समन्वय व्यवस्था लागू की है तथा बिना अनुमति या समन्वय के गुजरने वाले जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

पीएम साने ताकाइची जी-7 में होंगी शामिल, ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित तीन प्रस्ताव रखेगा जापान

» टोक्यो, यूटर्न/ 13 जून ।

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए फ्रांस जा रही हैं। प्रधानमंत्री ताकाइची बतौर पीएम पहली बार जी7 समिट में हिस्सा लेने जा रही हैं। इसके साथ ही वह ब्रिटेन और इटली की यात्रा भी करेंगी। यूरोप के लिए रवाना होने से पहले पीएम ताकाइची ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

पीएम ताकाइची ब्रिटेन और इटली में अपने समकक्ष कीर स्टार्मर और जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात करेंगी। इस दौरान वह पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व और यूक्रेन की स्थिति जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगी। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच अलग-अलग बातचीत में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकास को आगे बढ़ाने और आपूर्ति श्रृंखलाओं के लचीलेपन को बढ़ाने की दृष्टि से सुरक्षा, एआई, क्वांटम प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, अर्धचालक

और अपतटीय पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के पर विस्तृत चर्चा होने की उम्मीद है।

पीएम ताकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्यह मेरा पहला जी7 समिट होगा, लेकिन एवियन समिट में, मिडिल ईस्ट, यूक्रेन और हिंद-प्रशांत में भू-राजनीतिक संकटों को सुलझाने के अलावा मैं सभी नेताओं के साथ अन्य जरूरी मुद्दों पर भी खुलकर बातचीत करने की उम्मीद कर रही हूं।ह्व उन्होंने बताया कि वह मुक्त व्यापार और कानून के शासन पर आधारित ऊर्जा सुरक्षा और मार्केट स्टेबिलाइजेशन के लिए सहयोग, मिडिल ईस्ट के हालात को ध्यान में रखते हुए जरूरी मिनरल्स वगैरह के लिए सप्लाई चेन को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगी। इस दौरान वह वैश्विक चुनौतियों से निपटने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुट करने के साथ उसका नेतृत्व करने में जी7 की भूमिका पर जोर देंगी।

जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान जापान तीन प्रस्तावों को रखेगा, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा को लेकर गलत एक्सपोर्ट पाबंदियों का विरोध करने और उनका मुकाबला करने के लिए जी7 सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने, एशिया जैसे क्षेत्रों में तेल के स्टॉक को मजबूत करने और आईईए के साथ तालमेल के लिए मदद बढ़ाने के साथ जबरदस्ती की कार्रवाई को बेअसर करने के लिए तेल बनाने वाले और इस्तेमाल करने वाले देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना शामिल है।

पीएम ताकाइची ने कहा कि जी7 में इन तीन प्रस्तावों के जरिए, हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय में ह्वपावर एशियाह्व को लीड करने के जापान के दृष्टिकोण को बढ़ावा देंगे। इसके अलावा, जरूरी मिनरल्स के बारे में, जापान एक जॉइंट स्टॉकपाइलिंग कोऑपरेशन फ्रेमवर्क का प्रस्ताव देने की योजना बना रहा है।

20 कस्बों को निकासी चेतावनी के बाद दक्षिण लेबनान में हवाई हमले, बमबारी की रिपोर्ट

» बेरूत/तेल, यूटर्न/ 13 जून ।

इजरायल डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने हिज्बुल्लाह पर संघर्ष विराम नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए दक्षिण लेबनान के कई स्थानों पर हवाई हमले किए। ये हमले 20 स्थानों के लिए निकासी चेतावनी जारी किए जाने के कुछ ही समय बाद हुए। लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी एनएनए के अनुसार, शनिवार को दक्षिण लेबनान में कई स्थानों पर इजरायली हवाई हमले हुए। यह हमले उस चेतावनी के बाद हुए, जिसमें नबातिये शहर सहित 20 कस्बों और गांवों को संभावित सैन्य कार्रवाई से पहले खाली करने को कहा गया था। राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बताया कि जिन क्षेत्रों को निकासी आदेश में शामिल किया गया था, उन्हीं में कई स्थानों पर बमबारी हुई। इनमें रिहान और सुजूद गांव शामिल हैं, जो नबातिये के पास स्थित हैं। इससे पहले आईडीएफ के अरबी भाषा के प्रवक्ता अविचाय अद्राए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर स्थानीय लोगों से तुरंत क्षेत्र खाली कर जहरानी नदी के उत्तर की ओर जाने की अपील की थी।

इंडोनेशिया खरीद रहा दक्षिण कोरिया का चियोंगुंग-2 सिस्टम

चीन को देगा मुंहतोड़ जवाब, यह दुश्मन के विमानों, क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने में है सक्षम

» जकार्ता, यूटर्न/ 13 जून ।

दक्षिण चीन सागर में इंडोनेशिया अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। इसके लिए इंडोनेशिया भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा उसने दक्षिण कोरिया की एमएसएएम-2 चियोंगुंग-2 सिस्टम की खरीद को हरी झंडी दे दी है। चियोंगुंग-2 दक्षिण कोरिया की उन्नत, मध्यम-दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। इसे केएम-एसएएम ब्लॉक 2 भी कहा जाता है। इसे खास तौर पर चीनी क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों, लड़ाकू विमानों और ड्रोन को नष्ट करने के लिए तैनात किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय की लॉजिस्टिक्स एजेंसी ने 18 मई 2026 को चियोंगुंग-2 मिसाइल सिस्टम बनाने वाली एलआईजी नेक्स1 की सहायक कंपनी एलआईजी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को औपचारिक रूप से लेटर ऑफ इंट्रेस्ट जारी किया था। हालांकि, यह पत्र बाध्यकारी नहीं है कि इंडोनेशिया इसे खरीदे ही। यह डील बहुत कुछ फाइनेंसिंग की मंजूरी, पेमेंट और परफॉर्मेंस की गारंटी पर निर्भर है, लेकिन यह दिखाता है कि इंडोनेशिया मध्यम दूरी के एयर

डिफेंस सिस्टम की कमी को दूर करना चाहता है। ऐसे डिफेंस सिस्टम की कमी की वजह से इंडोनेशिया में अहम बुनियादी ढांचे और समुद्री व्यापार मार्गों के अहम बिंदुओं पर खतरा बना रहता है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित खरीद पैकेज में एंगेजमेंट कंट्रोल स्टेशन, मल्टी-फंक्शन रडार, वर्टिकल लॉन्च सिस्टम, ट्रांसपोर्टर-इरेक्टर-लॉन्चर, मिसाइल ट्रांसलोडर वाहन, स्पेयर पार्ट्स की इन्वेंट्री, तकनीकी दस्तावेज, इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स सपोर्ट और टेक्नोलॉजी-ट्रांसफर की व्यवस्था शामिल है। इन्हें इंडोनेशिया के घरेलू रक्षा-औद्योगिक इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया है।

बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा: एक नागरिक की कथित हत्या, दो छात्रों के जबरन लापता किए जाने का आरोप

» क्वेटा, यूटर्न/ 13 जून ।

बलूचिस्तान में आम नागरिकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा के बीच प्रमुख मानवाधिकार संगठनों ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के हाथों एक नागरिक की न्यायेतर हत्या (एक्स्ट्रा-ज्यूडिशियल किलिंग) की गई है, जबकि दो अन्य लोगों को जबरन लापता कर दिया गया है। मानवाधिकार संगठन बलूच यकेती कमिटी (बीवाईसी) के अनुसार, 28 वर्षीय सद्दाम का शव शुक्रवार को केच जिले के तुर्बत क्षेत्र के डी-बलोच इलाके में बरामद हुआ। संगठन का कहना है कि उनकी मौत की परिस्थितियों ने स्थानीय लोगों और मानवाधिकार पर्यवेक्षकों के बीच गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। बीवाईसी ने अपने बयान में कहा कि इस तरह की घटनाएं प्रभावित परिवारों और पूरे समाज को गहरे दुख, भय और असुरक्षा में धकेल रही हैं। संगठन के मुताबिक, 'सद्दाम की हत्या बलूचिस्तान में जारी हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की एक और दुखद कड़ी है। क्षेत्र के अनेक परिवार अपने प्रियजनों को खोने का दर्द झेल रहे हैं, जबकि उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है।' संगठन ने इस कथित न्यायेतर हत्या की निंदा करते हुए कहा कि बार-बार सामने आ रही ऐसी घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि आम नागरिक लगातार असुरक्षित हैं और प्रभावित परिवारों को अनिश्चितता तथा शोक का बोझ उठाना पड़ रहा है। बीवाईसी ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, पत्रकारों और वैश्विक संस्थाओं से मामले का संज्ञान लेने की अपील की है। इसी बीच, मानवाधिकार संगठन बलूच वॉयस ऑफ जस्टिस (बीवीजे) ने आरोप लगाया कि 19 वर्षीय शुक्रुल्लाह और 20 वर्षीय जुबैर बलूच नामक दो छात्रों को 4 जून को बलूचिस्तान के दलबंदिन क्षेत्र से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा जबरन गायब कर दिया गया।

हिंदू धार्मिक परिसर को नुकसान पहुंचाने की धमकियों से बढ़ा विवाद

राम, कृष्ण और शिव प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाने की धमकियों के दावे

» ढाका, यूटर्न/ 13 जून ।

बांग्लादेश के रंगपुर डिवीजन के गाइबांधा जिले में स्थित एक प्रमुख हिंदू धार्मिक परिसर को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों और स्थानीय सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि कुछ कट्टरपंथी समूह परिसर में स्थापित राम, कृष्ण और शिव की प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाने तथा परिसर के विस्तार का विरोध कर रहे हैं। इन दावों के बाद क्षेत्र के हिंदू समुदाय

और श्रद्धालुओं के बीच चिंता का माहौल है।

होसैनपुर यूनियन के रामचंद्रपुर गांव में स्थित यह धार्मिक परिसर पिछले कुछ वर्षों में एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभरा है। स्थानीय समाजसेवी हरिदास बाबू की पहल से शुरू हुई यह परियोजना अब एक विशाल धार्मिक परिसर का रूप ले चुकी है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस परिसर की प्रमुख पहचान लगभग 50 फीट ऊंची भगवान कृष्ण की प्रतिमा है, जिसे बांग्लादेश की सबसे ऊंची कृष्ण प्रतिमा बताया जाता है। इसका उद्घाटन नवंबर 2025 में भारत के सहायक उच्चायुक्त मनोज कुमार द्वारा किया गया था। इसके बाद से यह स्थल धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन गया है। मंदिर समिति की दीर्घकालिक योजना के तहत परिसर में भगवान राम, भगवान शिव सहित विभिन्न देवी-देवताओं की कुल 144 प्रतिमाएं स्थापित करने और अन्य धार्मिक संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना के समर्थकों का कहना है कि यह बांग्लादेश की सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सह-अस्तित्व का प्रतीक है। विवाद के बीच सरकार की ओर से अब तक कोई विस्तृत सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इसी कारण राजनीतिक और सामाजिक हलकों में यह सवाल उठ रहा है कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाएगा और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्रवाई की जाएगी।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *